राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
National Testing Agency
Excellence in Assessment

Test Date : 22 Feb 2023 **Test Slot :** Slot 1

Subject : 33-Dogri

Sl. No.1
QBID:133001

भाशा दा स्थूल रूप उपलब्ध होंदा ऐ:

1. वाणी च
2. राश्ट्री भाशा च
3. भाशा दे मानक रूप च
4. बोल्ली च

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9601]
2[Option ID=9602]
3[Option ID=9603]
4[Option ID=9604]

Sl. No.2
QBID:133002

सोसूर ने भाशा दे पक्ख मन्ने दे न:

1. पारोल, लांग, लांगाज़
2. लांग, लांगाज, स्पीच
3. स्पीच, पारोल, लांगाज
4. डायलैक्ट, स्पीच, लांग

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9605]
2[Option ID=9606]
3[Option ID=9607]
4[Option ID=9608]

Sl. No.3
QBID:133003

सौ दी गिनती आस्तै फारसी शब्द बरतोंदा ऐ:

1. शतम्
2. सद
3. सतम्
4. केन्तुम

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9609]
2[Option ID=9610]
3[Option ID=9611]
4[Option ID=9612]

Sl. No.4
QBID:133004

भारोपीय भाशा परोआर दियां प्रमुख प्राचीन भाशा न:

1. अवेस्ता, ग्रीक, लैटिन, संस्कृत
2. संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, बांटू
3. बांटू, जर्मन, रूसी, पुर्तगाली
4. इंडोनेशियन, लैटिन, संस्कृत, ग्रीक

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9613]
2[Option ID=9614]
3[Option ID=9615]
4[Option ID=9616]

Sl. No.5
QBID:133005

इं'दे च संज्ञा शब्द ऐ:

1. चरक्खा
2. दबक्खा
3. मर्हक्खा
4. सलक्खा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9617]
2[Option ID=9618]
3[Option ID=9619]
4[Option ID=9620]

Sl. No.6
QBID:133006

इं'दे च स्त्री लिंग बहुवचनी तिर्यक् रूप विशेशन ऐ:

1. कुड़ियें
2. स्यानियें
3. ज्यानिये
4. चिड़िये

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9621]
2[Option ID=9622]
3[Option ID=9623]
4[Option ID=9624]

Sl. No.7
QBID:133007

मध्यम पुरश बहुवचन दा तिर्यक् कर्ता कारकी रूप ऐ:

1. तुं'दे
2. तुसें
3. तेरे
4. थुआढ़े

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9625]
2[Option ID=9626]

3[Option ID=9627]
4[Option ID=9628]

Sl. No.8
QBID:133008

संबंधवाचक सर्वनाम दा तिर्यक् बहुवचनी रूप ऐ :

1. जिन्न
2. जेह्दे
3. जि'नें
4. जिं'दे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9629]
2[Option ID=9630]
3[Option ID=9631]
4[Option ID=9632]

Sl. No.9
QBID:133009

इं'दे च भाखें दा संकलन ऐ:

1. रोह् बसोस
2. दमखम
3. सुर संगम
4. भाव रस सुर संगम

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9633]
2[Option ID=9634]
3[Option ID=9635]
4[Option ID=9636]

Sl. No.10
QBID:133010

'हिरदेगत' कविता-संग्रैह् दा मुक्ख सुर ऐ :

1. शंगारवादी
2. व्यंगवादी
3. भगतीवादी
4. प्रगतिवादी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9637]
2[Option ID=9638]
3[Option ID=9639]
4[Option ID=9640]

Sl. No.11
QBID:133011

इं'दे च गज़ल-संग्रैह् ऐ :

1. चेतें दी र्होल
2. चेतें दी चाननी
3. चेतें दियां ग'लियां
4. दर्द पटारी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9641]
2[Option ID=9642]
3[Option ID=9643]
4[Option ID=9644]

Sl. No.12
QBID:133012

छिक्के धरेआ सब किश उं'दा, जिं'दियां इत्थै लम्मियां बाह्मां शेऽर दे शायर न :

1. अश्विनी मगोत्रा
2. नरसिंह जम्वाल
3. रामलाल शर्मा
4. शिवराम दीप

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9645]
2[Option ID=9646]
3[Option ID=9647]
4[Option ID=9648]

Sl. No.13
QBID:133013

इं'दे च नारी दे बुलंद हौंसले गी प्रकट करदियां क्हानियां न:

1. पति दा भाईवाल, ज'ल्ली, टिल्ला, नर्कजून
2. बपारी, मतियां, गरंटी कार्ड, परशामें
3. होर केह् करदी, मतियां, काली गंगा, पति दा भाईवाल
4. अंतिम, पिंजरा, बदनामी दी छां, टैह्लन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9649]
2[Option ID=9650]
3[Option ID=9651]
4[Option ID=9652]

Sl. No.14
QBID:133014

इं'दे च सुदर्शन रत्नपुरी दा क्हानी संग्रैह् ऐ:

1. त्रिप-त्रिप अत्थरूं
2. लहुऐ दा रंग
3. किले दा कैदी
4. न्हेरा ते लोऽ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9653]
2[Option ID=9654]
3[Option ID=9655]
4[Option ID=9656]

Sl. No.15
QBID:133015

महिला क्हानीकारें दे क्हानी संकलन न:

1. सोचें दी गैह्राई, अंताकरण दी कैद, सूई धागा, आसें दा चन्न
2. काली गंगा, पिंजरा, डोआठन, मनै दी आस
3. साक सुन्ना प्रीत पित्तल, पिंजरा, तितलियां, सूई धागा
4. सोचें दी गैह्राई, सूई धागा, पिंजरा, लैह्रें दे जाल

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9657]
2[Option ID=9658]
3[Option ID=9659]
4[Option ID=9660]

Sl. No.16
QBID:133016

प्रतीकात्मक ढंगै कन्नै संदेश दिंदियां क्हानियां न :

1. ज'ल्ली, सुक्का बरूद, दिर-थुआढ़ी, स्कूटर
2. बेबू, शैंकरी दा बुड्ढा, संतो भंड, जमदर
3. ज़मीन, अग्ग, नायक, खुशी दे अत्थरूं
4. इक क्रोह् उच्चा धर्म, अजब सा ओह् आदमी, सोंगलां, चेता

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9661]
2[Option ID=9662]
3[Option ID=9663]
4[Option ID=9664]

Sl. No.17
QBID:133017

रजवाड़ें च नारी शोशन दे चित्रण पर अधारत उपन्यास ऐ:

1. क'न्नी बरसांत
2. चरखड़ी
3. चाननी दे चोर
4. जीवन दान

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9665]
2[Option ID=9666]
3[Option ID=9667]
4[Option ID=9668]

Sl. No.18
QBID:133018

मछेरा वर्ग दे जीवन दी अक्कासी करदा उपन्यास ऐ:

1. नमित्त
2. परिवर्तन
3. हाशिये पर
4. सरकंढे

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9669]
2[Option ID=9670]
3[Option ID=9671]
4[Option ID=9672]

Sl. No.19
QBID:133019

जम्मू खित्ते कन्नै होने आह्ले सियासी भेदभाव गी व्यंजत करदा उपन्यास ऐ:

1. जिसले न्हेरा पेई गेआ
2. अनन्त
3. खंडत मूरती
4. सांझी धरती बखले माह्नू

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9673]
2[Option ID=9674]
3[Option ID=9675]
4[Option ID=9676]

Sl. No.20
QBID:133020

अज्जै दे जीवन च ब्यापी दी बेशनासी गी सारतें-संकेतें कन्नै चित्रत करदा उपन्यास ऐ:

1. बक्खरे-बक्खरे सच्च
2. कमालपुर दी करामात
3. जांगली लोक
4. नंगा रुक्ख

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9677]
2[Option ID=9678]
3[Option ID=9679]
4[Option ID=9680]

Sl. No.21
QBID:133021

'भै जां डर' निबंध दे लेखक न:

1. प्रो. रामनाथ शास्त्री
2. प्रो. शक्ति शर्मा
3. शिव निर्मोही
4. ज्ञान सिंह पगोच

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9681]
2[Option ID=9682]
3[Option ID=9683]
4[Option ID=9684]

Sl. No.22
QBID:133022

मनोविश्लेशनात्मक निबंधें दी पुस्तक ऐ:

1. स्याढ़ां
2. निक्कियां-निक्कियां गल्लां
3. सप्तक
4. सोच तरंगां

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9685]
2[Option ID=9686]

3[Option ID=9687]
4[Option ID=9688]

Sl. No.23
QBID:133023

इं'दे च तित्थें-तरीकें, बक्ख-बक्ख शख्सियतें, थाह्रें-विभागें दे वर्णन चित्रण दे गुणें आह्ली आत्मकथा ऐ:

1. चित्त-चेते
2. ओह् बी दिन हे(भाग 1 ते 2)
3. पगडंडियां
4. जीवन चक्कर

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=9689]
2[Option ID=9690]
3[Option ID=9691]
4[Option ID=9692]

Sl. No.24
QBID:133024

'बोल ते तोल' पुस्तक ऐ:

1. आलोचनात्मक लेखें दा संकलन
2. भावात्मक लेखें दा संकलन
3. व्यंगात्मक लेखें दा संकलन
4. विश्लेशनात्मक लेखें दा संकलन

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=9693]
2[Option ID=9694]
3[Option ID=9695]
4[Option ID=9696]

Sl. No.25
QBID:133025

हास्य-व्यंग दे राहें तत्थ-दलील ते वक्त दी प्रासंगिक्ता उजागर करने आह्ला नाटक ऐ:

1. अज्जै दा सिकंदर
2. ढौंदियां कंधां
3. बुड्ढ सुहागन
4. आन मर्यादा

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=9697]
2[Option ID=9698]
3[Option ID=9699]
4[Option ID=9700]

Sl. No.26
QBID:133026

मदन मोहन शर्मा हुंदियां नाट्य-रचनां न:

1. बंजर, जुक्कां, मरगाई, प्हाड़ी कां
2. सांझी भुल्ल, हीखी, सड़ैह्न, शूटिंग
3. बरांडी, यात्रू, मेरा लहु तेरा पानी
4. बजट दा भविक्ख, आंगरें दी लो, धूड़ां

(1) 1
(2) 2
(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9701]
2[Option ID=9702]
3[Option ID=9703]
4[Option ID=9704]

Sl. No.27
QBID:133027

विष्णु भारद्वाज हुंदे आसेआ लिखे दा रेडियो एकांकियें दा संग्रैह् ऐ:

1. पंजरंग
2. सत्तरंग
3. ठंडियां धारां मकदे ङारे
4. नीलकंठ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9705]
2[Option ID=9706]
3[Option ID=9707]
4[Option ID=9708]

Sl. No.28
QBID:133028

'लाटरी दा टिकट' एकांकी दे लेखक न:

1. शिव दोबलिया
2. मोहन सिंह
3. जितेंद्र शर्मा
4. चमन अरोड़ा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9709]
2[Option ID=9710]
3[Option ID=9711]
4[Option ID=9712]

Sl. No.29
QBID:133029

शकीला ते मंसूर:

1. आदर्शवादी पात्र न।
2. यथार्थवादी पात्र न।
3. उत्तर आधुनिकतावादी पात्र न।
4. आधुनिकतावादी पात्र न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9713]
2[Option ID=9714]
3[Option ID=9715]
4[Option ID=9716]

Sl. No.30
QBID:133030

अनुकरणवादी सिद्धांत दा विरोध कीता

1. अभिव्यंजनवादियें
2. आदर्शवादियें
3. प्रतीकवादियें
4. यथार्थवादियें

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9717]
2[Option ID=9718]
3[Option ID=9719]
4[Option ID=9720]

Sl. No.31
QBID:133031

अरंकृत ते अरंकृति शब्दें दा प्रयोग होए दा ऐ:

1. नाट्यशास्त्र च
2. ऋग्वेद च
3. शतपथ ब्राह्मण च
4. काव्यालंकार च

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9721]
2[Option ID=9722]
3[Option ID=9723]
4[Option ID=9724]

Sl. No.32
QBID:133032

लोकातिक्रान्तगोचरा आखे दा ऐ:

1. अतिश्योक्ति गी
2. वक्रोक्ति गी
3. विशेषोक्ति गी
4. स्वभावोक्ति गी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9725]
2[Option ID=9726]
3[Option ID=9727]
4[Option ID=9728]

Sl. No.33
QBID:133033

डोगरी लोककत्थां भाग-10 दा शीर्शक ऐ:

1. बनें दियां मिंजरां
2. नंदै दा कड़छा
3. लक्क टुनू-टुनू
4. पानियै दा मुल्ल

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9729]
2[Option ID=9730]
3[Option ID=9731]
4[Option ID=9732]

Sl. No.34
QBID:133034

डुग्गर दे संस्कार गीतें पर अधारत लोकगीत संकलन ऐ:

1. लोकगीत भाग-2
2. लोकगीत भाग-4
3. लोकगीत भाग-5
4. लोकगीत भाग-13

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9733]
2[Option ID=9734]
3[Option ID=9735]
4[Option ID=9736]

Sl. No.35
QBID:133035

'अक्खीं खु'ल्लना' मुहावरे दा अर्थ ऐ:

1. सावधान होना
2. राजी होना
3. होश औना
4. असलियत दा पता लग्गना

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9737]
2[Option ID=9738]
3[Option ID=9739]
4[Option ID=9740]

Sl. No.36
QBID:133036

खेती-बाड़ी सरबंधी नाच ऐ:

1. सोहाड़ी
2. गरलोडी
3. लाद्दी
4. चौकी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9741]
2[Option ID=9742]
3[Option ID=9743]
4[Option ID=9744]

Sl. No.37
QBID:133037

इक भाशा थमां दूई भाशा च अनुवाद करना उ'आं गै ऐ जि'यां कुसै कपड़े गी पुट्ठा करियै दिक्खना आखे दा ऐ:

1. एच. डी फारेस्ट ने
2. सर्वेन्टीज़ ने
3. दांते
4. शावरमैन ने

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9745]
2[Option ID=9746]

3[Option ID=9747]
4[Option ID=9748]

Sl. No.38
QBID:133038

'अग्ग गोआह्' दी मूल भाशा ऐ:

1. बंगला
2. पंजाबी
3. मलयालम
4. उड़िया

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9749]
2[Option ID=9750]
3[Option ID=9751]
4[Option ID=9752]

Sl. No.39
QBID:133039

'वादे सवा का इंतजार' दे अनुवादक न:

1. चूनी लाल शर्मा
2. अज़रा चौधरी
3. वीणा गुप्ता
4. अर्चना केसर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9753]
2[Option ID=9754]
3[Option ID=9755]
4[Option ID=9756]

Sl. No.40
QBID:133040

'लोकराज' दे पात्र न:

1. खुतिंगला ते शरेंगला
2. रत्न ते इन्द्र
3. खुतिंगला ते अन्द्रेई
4. शरेंगला ते नाबाई

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9757]
2[Option ID=9758]
3[Option ID=9759]
4[Option ID=9760]

Sl. No.41
QBID:133041

वेदें दे पठन-पाठन च जि'नें छें अंगें दा वर्णन ऐ, उं'दे चः

A. व्याकरण इक म्हत्तवपूर्ण अंग ऐ।
B. छंद ते ज्योतिष बी जरूरी न।
C. निरुक्त गी गौण मन्नेआ गेआ ऐ।
D. शिक्षा गी बी विद्वानें लाज़मी आखेआ ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (D) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A) ते (C) ठीक न।
4. (B) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9761]
2[Option ID=9762]
3[Option ID=9763]
4[Option ID=9764]

Sl. No.42
QBID:133042

'निघंटु'

A. वैदिक शब्दावली दे संग्रैह् न।
B. च शब्दावली दे अर्थ व्याख्या समेत दित्ते गेदे न।
C. यास्क दे समें च उपलब्ध निघंटुएं दी संख्या पंज ही।
D. ते निरूक्त दोऐ इक्कै कम्म करदे न

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (C) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A) ते (D) ठीक न।
4. (B), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9765]
2[Option ID=9766]
3[Option ID=9767]
4[Option ID=9768]

Sl. No.43
QBID:133043

संध्वनिः

A. ध्वनिग्राम दा परिवेशक रूप ऐ।
B. बाकी ध्वनियें कन्नै व्यतिरेकी वितरण च औंदी ऐ।
C. इक ध्वनिग्राम दियां अक्सर इक कशा बद्ध संध्वनियां होंदियां न।
D. बाकी संध्वनियें कन्नै परिपूरक वितरण च औंदी ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (D) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (B) ते (C) ठीक न।
4. (A) ते (B) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9769]
2[Option ID=9770]
3[Option ID=9771]
4[Option ID=9772]

Sl. No.44
QBID:133044

काल-रचना व्याकरणिक कोटिः

A. क्रियाएं कन्नै सरबंधत ऐ।
B. क्रिया-विशेशनें कन्नै सरबंधत ऐ।
C. त्रौनें कालें आस्तै रूपायनशील ऐ।
D. क्रिया ते पुरशें कन्नै बी प्रभावत होंदी ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (C) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (B) ते (C) ठीक न।
4. (A) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9773]
2[Option ID=9774]
3[Option ID=9775]
4[Option ID=9776]

Sl. No.45
QBID:133045

सकर्मक क्रियाएं:

1. दा असर कर्ता पर पौंदा ऐ।
2. च खाना, पीना, देना, मांजना क्रिया औंदियां न।
3. च कर्म लाज़मी तौरा पर औंदा ऐ।
4. च परोना, डरना, उब्बलना, धोना क्रिया औंदियां न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (D) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A) ते (D) ठीक न।
4. (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9777]
2[Option ID=9778]
3[Option ID=9779]
4[Option ID=9780]

Sl. No.46
QBID:133046

रामनाथ शास्त्री हुंदी शायरी चः

A. उर्दू शब्दावली दा प्रयोग अपने परिवेश दे संदर्भ च होए दा ऐ।
B. जनता गी प्रमुख ते सामंतशाही गी नखिद्ध बखानेआ गेदा ऐ।
C. उर्दू शब्दावली दा प्रयोग अपना नेईं बझोंदा।
D. मीरें ते गरीबें च फर्कोफर्की पर तंज कीता गेदा ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (D) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A) ते (B) ठीक न।
4. (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9781]
2[Option ID=9782]
3[Option ID=9783]
4[Option ID=9784]

Sl. No.47
QBID:133047

तारा स्मैलपुरीः

A. हुंदी रचना 'व्यंगवान' उं'दे जीवनकाल दी आखरी रचना ऐ।
B. होरें 1944 च मैट्रिक पास कीती।
C. हुंदियां 'अनसंभे गीत' ते 'जिंदगी' चर्चत कविता न।
D. हुंदी 'रंग-रुक्खे दे' पुस्तक च पर्यावरण-सुरक्षा दा सुर प्रमुख ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (B) ठीक न।
2. (A), (B) ते (C) ठीक न।
3. (B) ते (D) ठीक न।
4. (B), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9785]
2[Option ID=9786]
3[Option ID=9787]
4[Option ID=9788]

Sl. No.48
QBID:133048

सॉनेटः

A. 14एं सतरें दी रचना ऐ।
B. दा प्रयोग सभनें भारती भाशाएं च लोकप्रिय ऐ।
C. गी डोगरी च आह्नने दा श्रेय कुंवर वियोगी गी जंदा ऐ।
D. दे कुंवर वियोगी ने केईं संकलन रचे।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (C) ठीक न।
2. (A), (B) ते (C) ठीक न।
3. (A), (C) ते (D) ठीक न।
4. (A) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9789]
2[Option ID=9790]
3[Option ID=9791]
4[Option ID=9792]

Sl. No.49
QBID:133049

'खीरला माह्नू' क्हानी संग्रैह:

A. च प्राह्चित क्हानी संकलत ऐ।
B. दी क्हानी 'खीरला माह्नू' मोनोलाग शैली दी ऐ।
C. मदन मोहन शर्मा दा दूआ क्हानी संग्रैह् ऐ।
D. डोगरी संस्था दा प्रकाशन ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (B) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (B) ते (D) ठीक न।
4. (A), (B) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9793]
2[Option ID=9794]
3[Option ID=9795]
4[Option ID=9796]

Sl. No.50
QBID:133050

'सिलसिला' क्हानीः

A. 'खीरली बूंद' क्हानी-संग्रैह् च संकलत ऐ।
B. 'लोहें दियां फींगरां' क्हानी-संग्रैह् च संकलत ऐ।
C. दे लेखक 'छत्रपाल' न
D. नारी शोशन पर अधारत ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (B) ठीक न।
2. (A), (B) ते (C) ठीक न।
3. (B) ते (D) ठीक न।
4. (B), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9797]
2[Option ID=9798]
3[Option ID=9799]
4[Option ID=9800]

Sl. No.51
QBID:133051

'पत्थर ते रंग' उपन्यासः

A. कलात्मक ते विचारात्मक भावें पर अधारत ऐ।
B. अध्यात्मक ते दार्शनिक भावें पर अधारत ऐ।
C. दा उद्देश्य संस्कृति दे प्रति सचेत करना ऐ।
D. च रंग प्रतीक न समाज ते वातावरण दे।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (C) ते (D) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (B) ते (C) ठीक न।
4. (A) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9801]
2[Option ID=9802]
3[Option ID=9803]
4[Option ID=9804]

Sl. No.52
QBID:133052

'फुल्ल बिना डाल्ली' उपन्यासः

A. दा उद्देश्य सुधारवादी ऐ।
B. च ञारां नारी पात्तर न।
C. दा प्रकाशन ब'रा 1972 ऐ।
D. च ञारां पुरश पात्तर न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (C) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A) ते (D) ठीक न।
4. (A) ते (B) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9805]
2[Option ID=9806]
3[Option ID=9807]
4[Option ID=9808]

Sl. No.53
QBID:133053

'चेतना' उपन्यासः

A. दे उपन्यासकार तारा दानपुरी होर न।
B. दा प्रकाशन ब'रा 2008 ऐ।
C. दे उपन्यासकार ओम गोस्वामी होर न।
D. दा प्रकाशन ब'रा 2009 ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (B) ते (C) ठीक न।
2. (A) ते (B) ठीक न।
3. (A) ते (D) ठीक न।
4. (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9809]
2[Option ID=9810]
3[Option ID=9811]
4[Option ID=9812]

Sl. No.54
QBID:133054

1980 तगर दी डोगरी गद्य-रचनाएं चः

A. सिर्फ व्यंगात्मक निबंधें दा योगदान ऐ।
B. 'रिश्ते' निबंध संग्रैह् ने व्यंगात्मक निबंधें गी समृद्धि दित्ती।
C. 'त्रिवेणी' ते 'स्याढ़ां' पुस्तकें बक्ख-बक्ख शैलियें च गद्य-रचनां प्रदान कीतियां।
D. रामनाथ शास्त्री हुंदे किश चोनमें निबंध बक्ख-बक्ख संकलनें च प्रकाशत होए।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (B), (C) ते (D) ठीक न।
2. (A) ते (C) ठीक न।
3. (B) ते (C) ठीक न।
4. (A), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9813]
2[Option ID=9814]
3[Option ID=9815]
4[Option ID=9816]

Sl. No.55
QBID:133055

चेतें दी चितकबरी :

A. 2001 ब'रे च प्रकाशत आत्मकथा ऐ।
B. दे रचनाकार शिवनाथ न।
C. पुस्तक च विचारात्मक निबंध ते संस्मरण संकलत न।
D. दी भाशा च वर्णन-चित्रण दे आकर्शक प्रयोग मिलदे न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (C) ते (D) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A), (B) ते (D) ठीक न।
4. (A), (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9817]
2[Option ID=9818]
3[Option ID=9819]
4[Option ID=9820]

Sl. No.56
QBID:133056

'अबज समाधान' नाटक

A. रुक्खें बूह्टें दी सांभ-सम्हाल बारै ऐ
B. दाज दी समस्या बारै ऐ।
C. दे लेखक ध्यान सिंह न।
D. दी मुक्ख पात्र मसां ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (B), (C) ते (D) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A), (B) ते (C) ठीक न।
4. (A) ते (B) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9821]
2[Option ID=9822]
3[Option ID=9823]
4[Option ID=9824]

Sl. No.57
QBID:133057

'लेखा बेही दा' नाटक

A. नरेंद्र खजूरिया दी क्हानी पर अधारत ऐ।
B. लोक नाट्य शैली भगतां पर अधारत ऐ।
C. दे लेखक रामनाथ शास्त्री न।
D. दे लेखक दीपक कुमार न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (D) ठीक न।
2. (A), (B) ते (C) ठीक न।
3. (B), (C) ते (D) ठीक न।
4. (A), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9825]
2[Option ID=9826]
3[Option ID=9827]
4[Option ID=9828]

Sl. No.58
QBID:133058

'नुक्कड़' नाटक

A. दी शुरुआत डुग्गर च अजयका ने कीती।
B. दा जन्म वामपंथी विचारधारा थमां होआ।
C. 'स्काईलैब' मदारी-जमूरा शैली च लखोए दा ऐ।
D. च छड़ियां सियासी समस्यां गै होंदियां न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (C) ते (D) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A), (B) ते (D) ठीक न।
4. (A), (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9829]
2[Option ID=9830]
3[Option ID=9831]
4[Option ID=9832]

Sl. No.59
QBID:133059

आधुनिकतावादः

A. च अतीत दा विरोध कीता गेदा ऐ।
B. परस्पर विरोधी विचारधाराएं थमां पैदा होए दा चिंतन ऐ।
C. व्यक्तिवाद दी प्रधानता ऐ।
D. दा चित्तरकला पर कोई प्रभाव नेईं पेआ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (C) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A), (B) ते (D) ठीक न।
4. (A), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9833]
2[Option ID=9834]
3[Option ID=9835]
4[Option ID=9836]

Sl. No.60
QBID:133060

रीति आस्तैः

A. आनन्दवर्धन ने ध्वनि शब्द बरतेआ।
B. भरतमुनि ने प्रवृत्ति शब्द बरतेआ।
C. बाणभट्ट ने मार्ग शब्द बरतेआ।
D. दण्डी ने मार्ग शब्द बरतेआ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (C) ठीक न।
2. (A), (C) ते (D) ठीक न।
3. (B), (C) ते (D) ठीक न।
4. (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9837]
2[Option ID=9838]
3[Option ID=9839]
4[Option ID=9840]

Sl. No.61
QBID:133061

डोगरी लोक साहित्य गी :

A. प्रकाशत रूपा च सामनै आह्नने दे प्रयास संस्थागत ते निजी तौरा पर शुरू होए
B. सुशीला सलाथिया ने लोकगीत संग्रैह् 'खारे मिट्ठे अत्थरूं' प्रदान कीता।
C. 'इक हा राजा' लोककत्थें दे संकलन कन्नै डोगरी संस्था ने योगदान दित्ता।
D. बाद च मते-हारे लेखकें लोकगीतें ते लोक-कत्थें दे संग्रैह् छापे।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (C) ठीक न।
2. (B) ते (D) ठीक न।
3. (B), (C) ते (D) ठीक न।
4. (A), (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9841]
2[Option ID=9842]
3[Option ID=9843]
4[Option ID=9844]

Sl. No.62
QBID:133062

डोगरी लोकगीतः

A. जनमानस दे मनै दी अक्कासी करने दी उन्नी समर्था नेईं रखदे जिन्नी लोककत्थें च होंदी ऐ।
B. डोगरी लोक साहित्य च अपनी बन्नसबन्नता लेई मन्ने जंदे न।
C. डोगरी लोक साहित्य च पशु-पैंछियें दे बखान दी टकोह्द रखदे न।
D. बक्ख-बक्ख संस्कारें दे अनुश्ठानें गी भावपूर्ण अभिव्यक्ति दिंदे न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (B) ते (D) ठीक न।
2. (A) ते (B) ठीक न।
3. (A), (C) ते (D) ठीक न।
4. (B), (C) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9845]
2[Option ID=9846]
3[Option ID=9847]
4[Option ID=9848]

Sl. No.63
QBID:133063

खुआनः

A. इक चाल्ली दियां सूत्रात्मक उक्तियां होंदियां न।
B. दा प्रयोग कुसै गल्ला दी पुश्टी आस्तै कीता जंदा ऐ।
C. जीवन दे कुसै खेतर च गैह्न तजरबे दा नचोड़ होंदे न।
D. भाशा दी संरचना च पदबंधें दी भूमिका नभांदे न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (B) ते (C) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A) ते (B) ठीक न।
4. (A), (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9849]
2[Option ID=9850]
3[Option ID=9851]
4[Option ID=9852]

Sl. No.64
QBID:133064

कुब्बा मंगता ते टांगे दी खीरली सैरः

1. क्हानियां 'काले कां' ते 'काला पानी' क्हानी संग्रैह् च संकलत न।
2. क्हानियां 'देह्रा च अज्ज बी उगदे न साढ़े बूह्टे'क्हानी संग्रैह् च संकलत न।
3. क्हानियें दे मूल लेखक रस्किन बांड न
4. क्हानियें दे अनुवादक निर्मल विनोद न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (B) ते (C) ठीक न।
2. (B), (C) ते (D) ठीक न।
3. (A), (C) ते (D) ठीक न।
4. (A), (B) ते (D) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9853]
2[Option ID=9854]
3[Option ID=9855]
4[Option ID=9856]

Sl. No.65
QBID:133065

नाटकानुवादः

A. रंगमंच दे व्यवहारक ज्ञान बगैर बी कीता जाई सकदा ऐ।
B. च लिखत ते अभिनय सरबंधी पक्खें च आंतरिक द्वंद दी स्थिति बनी रौंह्दी ऐ।
C. च सांस्कृतिक शब्दावली गी अनूदित करना बी इक चनौती होंदी ऐ।
D. लैह्जा, सुर, बलाघात, अनुतान बगैरा गी अनूदित नेईं कीता जाई सकदा ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A), (C) ते (D) ठीक न।
2. (A), (B) ते (D) ठीक न।
3. (B), (C) ते (D) ठीक न।
4. (A), (B) ते (C) ठीक न।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9857]
2[Option ID=9858]
3[Option ID=9859]
4[Option ID=9860]

Sl. No.66
QBID:133066

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	ग्	I.	अघोश, अल्प्राण, मूर्धन्य
B.	म्	II.	अघोश, महाप्राण, तालव्य
C.	छ्	III.	सघोश, अल्प्राण, ओश्ठ्य
D.	ट्	IV.	सघोश, अल्प्राण, कंठ्य

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(IV), (B) –(II), (C) –(III), (D) –(I)
2. (A) –(III), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(II)
3. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(II), (D) –(I)
4. (A) –(IV), (B) –(I), (C) –(II), (D) –(III)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9861]
2[Option ID=9862]
3[Option ID=9863]
4[Option ID=9864]

Sl. No.67
QBID:133067

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
IA.	जनोआ होऐ	I.	संदिग्ध भूतकाल
B.	जनोआ होग	II.	संकेतार्थ अपूर्णभूतकाल
C.	जनोंदा होंदा	III.	निश्चयार्थ अपूर्ण भूतकाल
D.	जनोंदा हा	IV.	संभाव्य भूतकाल

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(IV), (B) –(I), (C) –(II), (D) –(III)
2. (A) –(IV), (B) –(II), (C) –(I), (D) –(III)
3. (A) –(III), (B) –(IV), (C) –(II), (D) –(I)
4. (A) –(II), (B) –(III), (C) –(I), (D) –(IV)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9865]
2[Option ID=9866]
3[Option ID=9867]
4[Option ID=9868]

Sl. No.68
QBID:133068

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	कुंडली	I.	कित्तर-कित्तर कालजा
B.	चमुखा	II.	नमां सवेरा
C.	छंदमुक्त कविता	III.	सतबन्ना
D.	गज़ल	IV.	फुल्लैं लदोई रात रानी

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(IV), (B) –(II), (C) –(I), (D) –(III)
2. (A) –(I), (B) –(IV), (C) –(III), (D) –(II)
3. (A) –(III), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(II)
4. (A) –(III), (B) –(IV), (C) –(I), (D) –(II)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9869]
2[Option ID=9870]
3[Option ID=9871]
4[Option ID=9872]

Sl. No.69
QBID:133069

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	प्हाड़ें दी क्हानी	I.	दफ्तरी वातावरण पर अधारत ऐ
B.	जलन	II.	हास्य व्यंगात्मक क्हानी ऐ
C.	झुमके	III.	अनमेल ब्याह् पर अधारत ऐ
D.	योग खंडत	IV.	घरेलू तनोतनी पर अधारत ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(I), (D) –(II)
2. (A) –(III), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(II)
3. (A) –(III), (B) –(I), (C) –(II), (D) –(IV)
4. (A) –(II), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(III)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9873]
2[Option ID=9874]
3[Option ID=9875]
4[Option ID=9876]

Sl. No.70
QBID:133070

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	गौरां	I.	जिसलै न्हेरा पेई गेआ।
B.	कुमलू	II.	सांझी धरती बखले माह्नू
C.	लाजवैंती	III.	पियोके भेजो
D.	बसंती	IV.	कैदी

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(III), (B) –(IV), (C) –(II), (D) –(I)
2. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(I), (D) –(II)
3. (A) –(I), (B) –(II), (C) –(III), (D) –(IV)
4. (A) –(II), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(III)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9877]
2[Option ID=9878]
3[Option ID=9879]
4[Option ID=9880]

Sl. No.71
QBID:133071

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	चेतें दियां ग'लियां	I.	अलोचनात्मक लेख
B.	चार दिशां चार धाम	II.	आत्मकथा
C.	पगडंडियां	III.	यात्रा लेख
D.	परख-पड़ताल	IV.	व्यक्तिक निबंध

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(II), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(III)
2. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(II), (D) –(I)
3. (A) –(I), (B) –(IV), (C) –(III), (D) –(II)
4. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(I), (D) –(II)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9881]
2[Option ID=9882]
3[Option ID=9883]
4[Option ID=9884]

Sl. No.72
QBID:133072

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	कातल	I.	एकांकी संग्रैह्
B.	सतरंग	II.	लघु नाटक संकलन
C.	सखाराम बाइंडर	III.	स्वार्थपूर्ति आस्तै किरदार च गिरावट
D.	अज्जै दा सिकंदर	IV.	पुनर्सिरजनात्मक

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(II), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(III)
2. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(II), (D) –(I)
3. (A) –(I), (B) –(IV), (C) –(III), (D) –(II)
4. (A) –(IV), (B) –(III), (C) –(I), (D) –(II)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9885]
2[Option ID=9886]
3[Option ID=9887]
4[Option ID=9888]

Sl. No.73
QBID:133073

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	सभनें थमां मता विरोध होआ	I.	वक्रोक्ति
B.	चतुर कवियें आसेआ कीता गेदा कथन	II.	ध्वनि
C.	गुण ते रीति गी परतियै जोड़ने दा प्रयास कीता	III.	भट्ट नायक
D.	ह्रदयवादी दार्शनिक मन्ने जंदे न	IV.	मम्मट

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(II), (B) –(III), (C) –(IV), (D) –(I)
2. (A) –(I), (B) –(II), (C) –(III), (D) –(IV)
3. (A) –(III), (B) –(II), (C) –(I), (D) –(IV)
4. (A) –(II), (B) –(I), (C) –(IV), (D) –(III)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9889]
2[Option ID=9890]
3[Option ID=9891]
4[Option ID=9892]

Sl. No.74
QBID:133074

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	जै बोल्ली जानी	I.	कुड़ी व्याही देनी
B.	नारण चेतै औना	II.	बस होई जानी
C.	अली दे मदान होना	III.	औखा मौका औना
D.	धर्म धिक्का देना	IV.	सरे आम होना

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(II), (B) –(III), (C) –(I), (D) –(IV)
2. (A) –(IV), (B) –(I), (C) –(III), (D) –(II)
3. (A) –(II), (B) –(III), (C) –(IV), (D) –(I)
4. (A) –(I), (B) –(IV), (C) –(III), (D) –(II)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9893]
2[Option ID=9894]
3[Option ID=9895]
4[Option ID=9896]

Sl. No.75
QBID:133075

पैह्ली चंदी च दित्ती गेदियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करोः

चंदी-I		चंदी-II	
A.	संरचनापरक सिद्धांत	I.	टिटलर
B.	अर्थपूर्ण सिद्धांत	II.	जुलियाना
C.	प्रकार्यपरक सिद्धांत	III.	कैटफर्ड
D.	संप्रेषणात्मक सिद्धांत	IV.	आग्डन

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) –(I), (B) –(II), (C) –(III), (D) –(IV)
2. (A) –(II), (B) –(III), (C) –(IV), (D) –(I)
3. (A) –(III), (B) –(IV), (C) –(II), (D) –(I)
4. (A) –(III), (B) –(II), (C) –(I), (D) –(IV)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9897]
2[Option ID=9898]
3[Option ID=9899]
4[Option ID=9900]

Sl. No.76
QBID:133076

बन्नसबन्नापन, सचज्जलता, निस्बतन ते कबेल्ला शब्दें दे इस क्रम ते स्हाबें इं'दी रचना च बरतोए दे उपसर्ग, मध्यसर्ग ते परसर्ग रूपग्रामें दा स्हेई क्रम ऐः

A. उपसर्ग रूपग्राम +धातु रूपग्राम + परसर्ग + परसर्ग रुपग्राम
B. उपसर्ग रूपग्राम+ धातु रूपग्राम
C. मूलधातु रूपग्राम + परसर्ग रूपग्राम
D. मूलधातु रूपग्राम + मध्यसर्ग रूपग्राम + धातु रूपग्राम

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (B) , (A), (C), (D)
2. (A) , (C), (D), (B)
3. (C) , (D), (B), (A)
4. (D) , (A), (C), (B)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9901]
2[Option ID=9902]
3[Option ID=9903]
4[Option ID=9904]

Sl. No.77
QBID:133077

संयुक्त क्रियाविशेशन, क्रियाविशेशेन+ परसर्ग, संज्ञा + संज्ञा ते विशेशन + तत्व दे इस क्रम दे स्हाबै इं'दे कन्नै बने दे यौगक क्रियाविशेशन दा स्हेई क्रम ऐः

A. दिनें-रातीं
B. इत्थूं तगर
C. पैह्ले बारी
D. जदूं-कदें

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (D) , (B), (A), (C)
2. (B) , (C), (A), (D)
3. (A) , (D), (C), (B)
4. (C) , (A), (D), (B)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9905]
2[Option ID=9906]
3[Option ID=9907]
4[Option ID=9908]

Sl. No.78
QBID:133078

लाबारस परछामें, जे जींदे जी सुरग दिक्खना, धैंथियां ते नील माधव काव्य रचनाएं दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे काव्य रूपें दा स्हेई क्रम ऐः

A. गीत
B. खंडकाव्य
C. गज़ल
D. चमुखा

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) , (C), (B), (D)
2. (B) , (C), (A), (D)
3. (D) , (A), (C), (B)
4. (C) , (A), (D), (B)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9909]
2[Option ID=9910]
3[Option ID=9911]
4[Option ID=9912]

Sl. No.79
QBID:133079

कुक्कड़ी, नायक, इक क्हानी पंज सिरलेख ते आत्मा दी मौत क्हानियें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दी शैलियें दा स्हेई क्रम ऐः

A. यथार्थवादी
B. मनोविश्लेशनात्मक
C. प्रतीकात्मक
D. मोनोलाग शैली

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (D) , (A), (C), (B)
2. (B) , (D), (C), (A)
3. (C) , (D), (A), (B)
4. (A) , (C), (B), (D)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9913]
2[Option ID=9914]
3[Option ID=9915]
4[Option ID=9916]

Sl. No.80
QBID:133080

परिवर्तन, नमित्त, मुन्स ते चम्पा उपन्यासें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे प्रकाशन ब'रें दा स्हेई क्रम ऐः

A. 2017
B. 2016
C. 2019
D. 2022

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) , (B), (C), (D)
2. (C) , (B), (A), (D)
3. (D) , (C), (B), (A)
4. (B) , (D), (A), (C)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9917]
2[Option ID=9918]
3[Option ID=9919]
4[Option ID=9920]

Sl. No.81
QBID:133081

राम रचना, ज्ञान-ध्यान, सोच तरंगां ते साहें दे साह् पुस्तकें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐः

A. इन्दरजीत केसर
B. मनोज निश्चिंत
C. ज्ञान सिंह
D. ध्यान सिंह

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) , (C), (D), (B)
2. (D) , (A), (C), (B)
3. (C) , (D), (B), (A)
4. (B) , (D), (A), (C)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9921]
2[Option ID=9922]
3[Option ID=9923]
4[Option ID=9924]

Sl. No.82
QBID:133082

परम्परावादी ,प्रयोगवादी, मनोविज्ञानक ते लोक शैली दे नाटकें दा स्हेई क्रम ऐः

A. जनौर
B. धारां गूंजी पेइयां
C. कूंशजादी
D. काला सूरज

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (C) , (D), (B), (A)
2. (A) , (C), (D), (B)
3. (B) , (D), (A), (C)
4. (D) , (B), (C), (A)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9925]
2[Option ID=9926]
3[Option ID=9927]
4[Option ID=9928]

Sl. No.83
QBID:133083

त्रेह् समुंदर दी, सक्के अजनबी, घुंडियां ते चरखड़ी रचनाएं दा वादें दी द्रिश्टी कन्नै इं'दा स्हेई क्रम ऐः

A. मनोविश्लेशनवादी यथार्थवाद
B. अतियथार्थवाद
C. आदर्शवाद
D. आधुनिकतावाद

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (D) , (B), (A), (C)
2. (A) , (B), (C), (D)
3. (C) , (D), (A), (B)
4. (B) , (C), (D), (A)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9929]
2[Option ID=9930]
3[Option ID=9931]
4[Option ID=9932]

Sl. No.84
QBID:133084

कुत्ते लाना, छुन्नी हत्थ लाना, सराध करना ते स्यापा पाना मुहावरें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे अर्थें दा स्हेई क्रम ऐः

A. लड़ाई-झगड़ा पाई टकाना
B. बेमनै कुसै गितै कम्म करना
C. तरले करना
D. बेजती करना

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (D) , (C), (B), (A)
2. (A) , (C), (D), (B)
3. (B) , (A), (C), (D)
4. (A) , (B), (C), (D)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9933]
2[Option ID=9934]
3[Option ID=9935]
4[Option ID=9936]

Sl. No.85
QBID:133085

लैओ फ्ही सुनो, जाड़ै दा हक्क, खीरी निर्णा ते राग दरबारी अनूदित रचनाएं दे मूल लेखकें दा स्हेई क्रम ऐः

A. दामोदर खड़से
B. सुरेन्द्र प्रकाश
C. श्रीलाल शुक्ल
D. महाश्वेता देवी

इं'दे चा स्हेई क्रम आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) , (B), (C), (D)
2. (B) , (D), (A), (C)
3. (D) , (B), (C), (A)
4. (C) , (D), (A), (B)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9937]
2[Option ID=9938]
3[Option ID=9939]
4[Option ID=9940]

Sl. No.86
QBID:133086

हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।
असर्शन (A): देवनागरी लिपि च डोगरी भाशा लिखने आस्तै किश नियम निर्धारत कीते गेदे न, पर इसदे बावजूद बी लेखन च इकरूपता दे अग्गें प्रश्नचि'न्न बरकरार ऐ।

रीज़न (R): उच्चे ते ढलदे सुर आस्तै जित्थै (-'-) ते (ह्) दो नियम बने दे न उसदे बावजूद बी सघोश महाप्राण व्यंजनें दा प्रयोग लेखन दी इकरूपता च रुकावट आह्नदा ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।
2. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेईं ऐ।
3. (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।
4. (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9941]
2[Option ID=9942]
3[Option ID=9943]
4[Option ID=9944]

Sl. No.87
QBID:133087

हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।
असर्शन (A): डोगरी क्हानी दे खेतरा च होआ करदे नमें प्रयोग अपने-आपै च नमें न ते उं'दी भाशा-शैली बी उं'दे मताबक बदलोई दी ऐ।

रीज़न (R): डोगरी च लखोआ करदी अज्जै-कल्लै दी क्हानी बारै पाठकें च दो रांऽ न। किश लोक उं'दे नमेंपन गी सरांह्दे न पर मते पाठक उ'नेंगी क्हानी मन्नने थमां नाब्बर न।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।
2. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेईं ऐ।
3. (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।
4. (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9945]
2[Option ID=9946]
3[Option ID=9947]
4[Option ID=9948]

Sl. No.88
QBID:133088

हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।

असर्शन (A): डोगरी च 'आत्मकथा' लेखन दे खाते च छें-सत्तें लेखकें दे प्रयास जरूर होए न पर 'जीवनी' लेखन पास्सै ध्यान नेईं दित्ता गेआ।

रीज़न (R): सिर्फ 'शेरे डुग्गर लाला हंसराज' नांऽ कन्नै इक्कै जीवनी डोगरी गद्य च जीवनी विधा दे खाते च मिलदी ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।
2. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेईं ऐ।
3. (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।
4. (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9949]
2[Option ID=9950]
3[Option ID=9951]
4[Option ID=9952]

Sl. No.89
QBID:133089

हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।

असर्शन (A): कोई बी लोक साहित्य उस खेतर दे लोक मानस दे जीवन दा शीशा होंदा ऐ। उत्थूं दे लोकें दे मनें दे भांत-सभांतड़े उद्‌गार, बर्त्तें-नत्तें, मेलें-मसाधें ते खुशियें-गमियें दी बड़ी मोकली तस्वीर होंदी ऐ।

रीज़न (R): अज्ज रचनात्मक साहित्य भाएं किन्ना बी की नेईं लखोई गेआ होऐ पर लोक साहित्य दी कीमत कुसै बी चाल्ली घट्ट नेईं होई।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्‌ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।
2. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेईं ऐ।
3. (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।
4. (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9953]
2[Option ID=9954]
3[Option ID=9955]
4[Option ID=9956]

Sl. No.90
QBID:133090

हेठ दो कथन दित्ते गेदे न। इक (A) असर्शन यानि निश्चयात्मक कथन ते दूआ (R) रीज़न यानि कारण ऐ।

असर्शन (A): पत्रकारिता दे अनुवाद च सभनें थमां बड्डी समस्या संसदी, बपार, खेढें बगैरा दी परिभाशक शब्दावली दी होंदी ऐ।

रीज़न (R): अनुवाद च निपुणता हासल होने दे कन्नै-कन्नै पत्रकारिता सरबंधी लेखन शैली दा निरंतर अभ्यास बी जरूरी होंदा ऐ।

इं'दे चा स्हेई जवाब आह्‌ले विकल्प गी चुनोः

1. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण ऐ।
2. (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (A), (R) दा स्हेई कारण नेईं ऐ।
3. (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ।
4. (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9957]
2[Option ID=9958]
3[Option ID=9959]
4[Option ID=9960]

Sl. No.91
QBID:133091

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्‌ले विकल्प गी चुनोः

उच्चारण थाह्‌र दे अधार पर डोगरी स्वरें गी कैंठ, तालु, ओठ, कैंठ-तालु ते कैंठ-ओठ पं'जें चाल्लीं कन्नै बंडेआ गेदा ऐ ते उच्चारण प्रयत्न दे अधार पर इं'दी बंड सौंगड़े, अद्ध-सौंगड़े, मौकले, अद्ध-मौकले आदि रूपें च होई दी ऐ। अ, आ, इ, ई, उ ते ऊ इक्कै जाति दे स्वर न। जद के आ, ई, ते ऊ स्वरें गी छोड़ियै बाकी ते यौगिक स्वरें दा उच्चारण द'ऊं बक्ख-बक्ख जातियें दे स्वर वर्गें दे मेल कन्नै होंदा ऐ जि'यां 'अ' ते 'इ' दे मेल कन्नै 'ए' स्वर बनदा ऐ। मूल ते यौगिक स्वरें दे इलावा डोगरी भाशा च प्लुत स्वर बी अपनी विशेश म्हत्ता रखदे न। इं'दे उच्चारण च दीर्घ स्वरें थमां मता समें लगदा ऐ ते एह् अक्सर शब्दें दे खीर च औंदे न ते भाशा च अर्थ-भेद बी करदे न। जि'यां बी ते बीऽ, चा ते चाऽ बगैरा।

'ओ' ते 'औ' स्वरें ते उच्चारण च योगदान होंदा ऐ

1. कैंठ ते ओठें दा
2. तालु ते ओठें दा
3. तालु दा
4. ओठें दा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9961]
2[Option ID=9962]
3[Option ID=9963]
4[Option ID=9964]

Sl. No.92
QBID:133092

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

उच्चारण थाह्र दे अधार पर डोगरी स्वरें गी कैंठ, तालु, ओठ, कैंठ-तालु ते कैंठ-ओठ पं'जें चाल्लीं कन्नै बंडेआ गेदा ऐ ते उच्चारण प्रयत्न दे अधार पर इं'दी बंड सौंगड़े, अद्ध-सौंगड़े, मौकले, अद्ध-मौकले आदि रूपें च होई दी ऐ। अ, आ, इ, ई, उ ते ऊ इक्कै जाति दे स्वर न। जद के आ, ई, ते ऊ स्वरें गी छोड़ियै बाकी ते यौगिक स्वरें दा उच्चारण द'ऊं बक्ख-बक्ख जातियें दे स्वर वर्गें दे मेल कन्नै होंदा ऐ जि'यां 'अ' ते 'इ' दे मेल कन्नै 'ए' स्वर बनदा ऐ। मूल ते यौगिक स्वरें दे इलावा डोगरी भाशा च प्लुत स्वर बी अपनी विशेश म्हत्ता रखदे न। इं'दे उच्चारण च दीर्घ स्वरें थमां मता समें लगदा ऐ ते एह् अक्सर शब्दें दे खीर च औंदे न ते भाशा च अर्थ-भेद बी करदे न। जि'यां बी ते बीऽ, चा ते चाऽ बगैरा।
'ए' ते 'ओ' स्वर

1. सौंगड़े न
2. अद्ध-मौकले न
3. अद्ध-सौंगड़े न
4. मौकले न

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9965]
2[Option ID=9966]
3[Option ID=9967]
4[Option ID=9968]

Sl. No.93
QBID:133093

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

उच्चारण थाह्र दे अधार पर डोगरी स्वरें गी कैंठ, तालु, ओठ, कैंठ-तालु ते कैंठ-ओठ पं'जें चाल्लीं कन्नै बंडेआ गेदा ऐ ते उच्चारण प्रयत्न दे अधार पर इं'दी बंड सौंगड़े, अद्ध-सौंगड़े, मौकले, अद्ध-मौकले आदि रूपें च होई दी ऐ। अ, आ, इ, ई, उ ते ऊ इक्कै जाति दे स्वर न। जद के आ, ई, ते ऊ स्वरें गी छोड़ियै बाकी ते यौगिक स्वरें दा उच्चारण द'ऊं बक्ख-बक्ख जातियें दे स्वर वर्गें दे मेल कन्नै होंदा ऐ जि'यां 'अ' ते 'इ' दे मेल कन्नै 'ए' स्वर बनदा ऐ। मूल ते यौगिक स्वरें दे इलावा डोगरी भाशा च प्लुत स्वर बी अपनी विशेश म्हत्ता रखदे न। इं'दे उच्चारण च दीर्घ स्वरें थमां मता समें लगदा ऐ ते एह् अक्सर शब्दें दे खीर च औंदे न ते भाशा च अर्थ-भेद बी करदे न। जि'यां बी ते बीऽ, चा ते चाऽ बगैरा।
'औ' स्वर बनदा ऐ

1. 'उ' ते 'ओ' दे योग कन्नै
2. 'ऊ' ते 'ओ' दे योग कन्नै
3. 'अ' ते 'ऊ' दे योग कन्नै
4. 'अ' ते 'ओ' दे योग कन्नै

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9969]
2[Option ID=9970]
3[Option ID=9971]
4[Option ID=9972]

Sl. No.94
QBID:133094

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

उच्चारण थाह्र दे अधार पर डोगरी स्वरें गी कैंठ, तालु, ओठ, कैंठ-तालु ते कैंठ-ओठ पं'जें चाल्लीं कन्नै बंडेआ गेदा ऐ ते उच्चारण प्रयत्न दे अधार पर इं'दी बंड सौंगड़े, अद्ध-सौंगड़े, मौकले, अद्ध-मौकले आदि रूपें च होई दी ऐ। अ, आ, इ, ई, उ ते ऊ इक्कै जाति दे स्वर न। जद के आ, ई, ते ऊ स्वरें गी छोड़ियै बाकी ते यौगिक स्वरें दा उच्चारण द'ऊं बक्ख-बक्ख जातियें दे स्वर वर्गें दे मेल कन्नै होंदा ऐ जि'यां 'अ' ते 'इ' दे मेल कन्नै 'ए' स्वर बनदा ऐ। मूल ते यौगिक स्वरें दे इलावा डोगरी भाशा च प्लुत स्वर बी अपनी विशेश म्हत्ता रखदे न। इं'दे उच्चारण च दीर्घ स्वरें थमां मता समें लगदा ऐ ते एह् अक्सर शब्दें दे खीर च औंदे न ते भाशा च अर्थ-भेद बी करदे न। जि'यां बी ते बीऽ, चा ते चाऽ बगैरा।

'इ' ते 'ई' स्वरें दा उच्चारण थाह्र ते प्रयत्न

1. इक्कै होंदा ऐ
2. बक्ख-बक्ख होंदा ऐ
3. 'उ' ते 'ऊ' स्वरें साहीं होंदा ऐ
4. 'अ' ते 'आ' स्वर साहीं होंदा ऐ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9973]
2[Option ID=9974]
3[Option ID=9975]
4[Option ID=9976]

Sl. No.95
QBID:133095

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

उच्चारण थाह्र दे अधार पर डोगरी स्वरें गी कैंठ, तालु, ओठ, कैंठ-तालु ते कैंठ-ओठ पं'जें चाल्लीं कन्नै बंडेआ गेदा ऐ ते उच्चारण प्रयत्न दे अधार पर इं'दी बंड सौंगड़े, अद्ध-सौंगड़े, मौकले, अद्ध-मौकले आदि रूपें च होई दी ऐ। अ, आ, इ, ई, उ ते ऊ इक्कै जाति दे स्वर न। जद के आ, ई, ते ऊ स्वरें गी छोड़ियै बाकी ते यौगिक स्वरें दा उच्चारण द'ऊं बक्ख-बक्ख जातियें दे स्वर वर्गें दे मेल कन्नै होंदा ऐ जि'यां 'अ' ते 'इ' दे मेल कन्नै 'ए' स्वर बनदा ऐ। मूल ते यौगिक स्वरें दे इलावा डोगरी भाशा च प्लुत स्वर बी अपनी विशेश म्हत्ता रखदे न। इं'दे उच्चारण च दीर्घ स्वरें थमां मता समें लगदा ऐ ते एह् अक्सर शब्दें दे खीर च औंदे न ते भाशा च अर्थ-भेद बी करदे न। जि'यां बी ते बीऽ, चा ते चाऽ बगैरा।

प्लुत स्वर अर्थभेदक ऐ

1. करां ते करांऽ च
2. सरां ते सरांऽ च
3. टगा ते टगाऽ च
4. चली ते चलीऽ च

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9977]
2[Option ID=9978]
3[Option ID=9979]
4[Option ID=9980]

Sl. No.96
QBID:133096

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

कोई बी कवि अपनियें अनुभूतियें गी जरूरत मताबक यथार्थ ते कल्पना दे स्हारै प्रभावपूर्ण ढंगै कन्नै व्यक्त करना चांह्दा ऐ ते ओह्दा एह् ढंग गै बक्ख-बक्ख अलंकारें दा रुप धारी लैंदा ऐ। जि'यां जेकर कवि आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जिन्ना चन्न' तां उपमा अलंकार होई जाह्ग। जेकर आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जि'यां अश्कै चन्न होऐ' तां उत्प्रेक्षा अलंकार बनी जाह्ग। आखने दा मतलब एह् ऐ जे अलंकार अभिव्यक्ति दी इक नेही शैली ऐ जेह्ड़ी कथन गी सुंदर ते प्रभावपूर्ण बनांदी ऐ। भाव गी स्पश्ट करने आस्तै बी अलंकार बड़ी म्हत्तवपूर्ण भूमिका नभांदे न।
अलंकारवादियें चा सभनें थमां पैह्लें रुद्रट ने अलंकारें दा वर्गीकरण कीता। जेह्ड़ा इस चाल्ली ऐ- शब्दालंकार ते अर्थालंकार। शब्दालंकारें च कथन दा चमत्कार ओह्दे च प्रयुक्त शब्दें ते ध्वनियें पर निर्भर करदा ऐ। जेकर उस कथन चा उस शब्द गी हटाइयै ओह्दे थाह्र कोई होर पर्यायवाची शब्द रक्खी दित्ता जा तां चमत्कार खतम होई जाह्ग। एह्दे प्रमुख अलंकार अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, श्लेष, वक्रोक्ति बगैरा न। अनुप्रास दे बी अग्गें पंज भेद न।
कुसै चीजै गी उत्कृश्ट दस्सने आस्तै कवि जिसलै ओह्दी तुलना कुसै लोक प्रसिद्ध चीजै कन्नै करदा ऐ, उत्थै उपमा अलंकार होंदा ऐ। उपमा दे चार अंग होंदे न- 1. उपमेय 2. उपमान 3. वाचक ते 4. सधारण धर्म। अंगें दी द्रिश्टी कन्नै उपमा दे दो भेद होई जंदे न- 1. पूर्णोपमा ते 2. लुप्तोपमा। जित्थै उपमा दा कोई अंग लुप्त होऐ उत्थै लुप्तोपमा होंदी ऐ, उत्प्रेक्षा अलंकार दे बी त्रै भेद न- 1. वस्तूत्प्रेक्षा 2. हेतूत्प्रेक्षा ते 3. फलोत्प्रेक्षा ।
जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार किट्ठे उठी आए दे होन उसी उभयालंकार आखदे न। उभयालंकार बी द'ऊं चाल्लीं दे होंदे न- 1. संसृश्टि ते 2. संकर
जित्थै कु'नें द'ऊं अलंकारें दा मिश्रण तिल ते चौलें आंह्गर होऐ उत्थै संसृश्टि उभयालंकार होंदा ऐ। आखने दा मतलब ऐ जे जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार इक- दुए पर निर्भर नेईं होइयै, अपनी बक्खरी-बक्खरी सत्ता गी प्रकट करा करदे होन। जित्थै अलंकारें दा मिश्रण दुद्ध ते पानी आह्ला लेखा होऐ, उसी संकर अलंकार आखेआ जंदा ऐ।

शक्ति दी देवी ही शक्ति दे हत्थें, झूठी, कुनीतन कुपातर बनी

1. वृत्यानुप्रास
2. अन्त्यानुप्रास
3. संसृश्टि अलंकार
4. पुनरुक्तवदाभास

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9981]
2[Option ID=9982]
3[Option ID=9983]
4[Option ID=9984]

Sl. No.97
QBID:133097

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

कोई बी कवि अपनियें अनुभूतियें गी जरूरत मताबक यथार्थ ते कल्पना दे स्हारै प्रभावपूर्ण ढंगै कन्नै व्यक्त करना चांह्दा ऐ ते ओह्दा एह् ढंग गै बक्ख-बक्ख अलंकारें दा रुप धारी लैंदा ऐ। जि'यां जेकर कवि आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जिन्ना चन्न' तां उपमा अलंकार होई जाह्ग। जेकर आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जि'यां अश्कै चन्न होऐ' तां उत्प्रेक्षा अलंकार बनी जाह्ग। आखने दा मतलब एह् ऐ जे अलंकार अभिव्यक्ति दी इक नेही शैली ऐ जेह्ड़ी कथन गी सुंदर ते प्रभावपूर्ण बनांदी ऐ। भाव गी स्पश्ट करने आस्तै बी अलंकार बड़ी म्हत्तवपूर्ण भूमिका नभांदे न।
अलंकारवादियें चा सभनें थमां पैह्लें रुद्रट ने अलंकारें दा वर्गीकरण कीता। जेह्ड़ा इस चाल्ली ऐ- शब्दालंकार ते अर्थालंकार। शब्दालंकारें च कथन दा चमत्कार ओह्दे च प्रयुक्त शब्दें ते ध्वनियें पर निर्भर करदा ऐ। जेकर उस कथन चा उस शब्द गी हटाइयै ओह्दे थाह्र कोई होर पर्यायवाची शब्द रक्खी दित्ता जा तां चमत्कार खतम होई जाह्ग। एह्दे प्रमुख अलंकार अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, श्लेष, वक्रोक्ति बगैरा न। अनुप्रास दे बी अग्गें पंज भेद न।
कुसै चीजै गी उत्कृश्ट दस्सने आस्तै कवि जिसलै ओह्दी तुलना कुसै लोक प्रसिद्ध चीजै कन्नै करदा ऐ, उत्थै उपमा अलंकार होंदा ऐ। उपमा दे चार अंग होंदे न- 1. उपमेय 2. उपमान 3. वाचक ते 4. सधारण धर्म। अंगें दी द्रिश्टी कन्नै उपमा दे दो भेद होई जंदे न- 1. पूर्णोपमा ते 2. लुप्तोपमा। जित्थै उपमा दा कोई अंग लुप्त होऐ उत्थै लुप्तोपमा होंदी ऐ, उत्प्रेक्षा अलंकार दे बी त्रै भेद न- 1. वस्तूत्प्रेक्षा 2. हेतूत्प्रेक्षा ते 3. फलोत्प्रेक्षा ।
जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार किट्ठे उठी आए दे होन उसी उभयालंकार आखदे न। उभयालंकार बी द'ऊं चाल्लीं दे होंदे न- 1. संसृश्टि ते 2. संकर
जित्थै कु'नें द'ऊं अलंकारें दा मिश्रण तिल ते चौलें आंह्गर होऐ उत्थै संसृश्टि उभयालंकार होंदा ऐ। आखने दा मतलब ऐ जे जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार इक- दुए पर निर्भर नेईं होइयै, अपनी बक्खरी-बक्खरी सत्ता गी प्रकट करा करदे होन। जित्थै अलंकारें दा मिश्रण दुद्ध ते पानी आह्ला लेखा होऐ, उसी संकर अलंकार आखेआ जंदा ऐ।

ज्हार क्रोह पर एह् पैंडा करदा, फ्ही बी उ'ऐ थां
तेली बेचै तेल बजारें, नेईं दांदे दा नांs

1. लाटानुप्रास
2. छेकानुप्रास
3. वृत्यानुप्रास
4. प्रतीप अलंकार

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9985]
2[Option ID=9986]
3[Option ID=9987]
4[Option ID=9988]

Sl. No.98
QBID:133098

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

कोई बी कवि अपनियें अनुभूतियें गी जरूरत मताबक यथार्थ ते कल्पना दे स्हारै प्रभावपूर्ण ढंगै कन्नै व्यक्त करना चांह्दा ऐ ते ओह्दा एह् ढंग गै बक्ख-बक्ख अलंकारें दा रुप धारी लैंदा ऐ। जि'यां जेकर कवि आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जिन्ना चन्न' तां उपमा अलंकार होई जाह्ग। जेकर आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जि'यां अश्कै चन्न होऐ' तां उत्प्रेक्षा अलंकार बनी जाह्ग। आखने दा मतलब एह् ऐ जे अलंकार अभिव्यक्ति दी इक नेही शैली ऐ जेह्ड़ी कथन गी सुंदर ते प्रभावपूर्ण बनांदी ऐ। भाव गी स्पश्ट करने आस्तै बी अलंकार बड़ी म्हत्तवपूर्ण भूमिका नभांदे न।
अलंकारवादियें चा सभनें थमां पैह्लें रुद्रट ने अलंकारें दा वर्गीकरण कीता। जेह्ड़ा इस चाल्ली ऐ- शब्दालंकार ते अर्थालंकार। शब्दालंकारें च कथन दा चमत्कार ओह्दे च प्रयुक्त शब्दें ते ध्वनियें पर निर्भर करदा ऐ। जेकर उस कथन चा उस शब्द गी हटाइयै ओह्दे थाह्र कोई होर पर्यायवाची शब्द रक्खी दित्ता जा तां चमत्कार खतम होई जाह्ग। एह्दे प्रमुख अलंकार अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, श्लेष, वक्रोक्ति बगैरा न। अनुप्रास दे बी अग्गें पंज भेद न।
कुसै चीजै गी उत्कृश्ट दस्सने आस्तै कवि जिसलै ओह्दी तुलना कुसै लोक प्रसिद्ध चीजै कन्नै करदा ऐ, उत्थै उपमा अलंकार होंदा ऐ। उपमा दे चार अंग होंदे न- 1. उपमेय 2. उपमान 3. वाचक ते 4. सधारण धर्म। अंगें दी द्रिश्टी कन्नै उपमा दे दो भेद होई जंदे न- 1. पूर्णोपमा ते 2. लुप्तोपमा। जित्थै उपमा दा कोई अंग लुप्त होऐ उत्थै लुप्तोपमा होंदी ऐ, उत्प्रेक्षा अलंकार दे बी त्रै भेद न- 1. वस्तूत्प्रेक्षा 2. हेतूत्प्रेक्षा ते 3. फलोत्प्रेक्षा ।
जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार किट्ठे उठी आए दे होन उसी उभयालंकार आखदे न। उभयालंकार बी द'ऊं चाल्लीं दे होंदे न- 1. संसृश्टि ते 2. संकर
जित्थै कु'नें द'ऊं अलंकारें दा मिश्रण तिल ते चौलें आंह्गर होऐ उत्थै संसृश्टि उभयालंकार होंदा ऐ। आखने दा मतलब ऐ जे जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार इक- दुए पर निर्भर नेईं होइयै, अपनी बक्खरी-बक्खरी सत्ता गी प्रकट करा करदे होन। जित्थै अलंकारें दा मिश्रण दुद्ध ते पानी आह्ला लेखा होऐ, उसी संकर अलंकार आखेआ जंदा ऐ।

बदल गुढ़केआ, गरजेआ, ते अम्बर होआ दोआस
बिज्ज-बिजली दोऐ रुस्सियां, नेईं औने दी आस

1. यमक
2. श्लेष
3. पुनरुक्तवदाभास
4. वृत्यानुप्रास

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9989]
2[Option ID=9990]
3[Option ID=9991]
4[Option ID=9992]

Sl. No.99
QBID:133099

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

कोई बी कवि अपनियें अनुभूतियें गी जरूरत मताबक यथार्थ ते कल्पना दे स्हारै प्रभावपूर्ण ढंगै कन्नै व्यक्त करना चांह्दा ऐ ते ओह्दा एह् ढंग गै बक्ख-बक्ख अलंकारें दा रुप धारी लैंदा ऐ। जि'यां जेकर कवि आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जिन्ना चन्न' तां उपमा अलंकार होई जाह्ग। जेकर आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जि'यां अश्कै चन्न होऐ' तां उत्प्रेक्षा अलंकार बनी जाह्ग। आखने दा मतलब एह् ऐ जे अलंकार अभिव्यक्ति दी इक नेही शैली ऐ जेह्ड़ी कथन गी सुंदर ते प्रभावपूर्ण बनांदी ऐ। भाव गी स्पश्ट करने आस्तै बी अलंकार बड़ी म्हत्तवपूर्ण भूमिका नभांदे न।
अलंकारवादियें चा सभनें थमां पैह्लें रुद्रट ने अलंकारें दा वर्गीकरण कीता। जेह्ड़ा इस चाल्ली ऐ- शब्दालंकार ते अर्थालंकार। शब्दालंकारें च कथन दा चमत्कार ओह्दे च प्रयुक्त शब्दें ते ध्वनियें पर निर्भर करदा ऐ। जेकर उस कथन चा उस शब्द गी हटाइयै ओह्दे थाह्र कोई होर पर्यायवाची शब्द रक्खी दित्ता जा तां चमत्कार खतम होई जाह्ग। एह्दे प्रमुख अलंकार अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, श्लेष, वक्रोक्ति बगैरा न। अनुप्रास दे बी अग्गें पंज भेद न।
कुसै चीजै गी उत्कृश्ट दस्सने आस्तै कवि जिसलै ओह्दी तुलना कुसै लोक प्रसिद्ध चीजै कन्नै करदा ऐ, उत्थै उपमा अलंकार होंदा ऐ। उपमा दे चार अंग होंदे न- 1. उपमेय 2. उपमान 3. वाचक ते 4. सधारण धर्म। अंगें दी द्रिश्टी कन्नै उपमा दे दो भेद होई जंदे न- 1. पूर्णोपमा ते 2. लुप्तोपमा। जित्थै उपमा दा कोई अंग लुप्त होऐ उत्थै लुप्तोपमा होंदी ऐ, उत्प्रेक्षा अलंकार दे बी त्रै भेद न- 1. वस्तूत्प्रेक्षा 2. हेतूत्प्रेक्षा ते 3. फलोत्प्रेक्षा ।
जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार किट्ठे उठी आए दे होन उसी उभयालंकार आखदे न। उभयालंकार बी द'ऊं चाल्लीं दे होंदे न- 1. संसृश्टि ते 2. संकर
जित्थै कु'नें द'ऊं अलंकारें दा मिश्रण तिल ते चौलें आंह्गर होऐ उत्थै संसृश्टि उभयालंकार होंदा ऐ। आखने दा मतलब ऐ जे जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार इक- दुए पर निर्भर नेईं होइयै, अपनी बक्खरी-बक्खरी सत्ता गी प्रकट करा करदे होन। जित्थै अलंकारें दा मिश्रण दुद्ध ते पानी आह्ला लेखा होऐ, उसी संकर अलंकार आखेआ जंदा ऐ।

फुलबाड़ी केह् चमकै करदी एह्दे रूप सुहाने
ब्रह्मा ने केह् घड़ेआ इत्थें, आया केह्ड़े ब्हाने।

1. पूर्णोउपमा
2. उपमानलुप्तोपमा
3. वाचक लुप्तोपमा
4. अनन्वयोपमा

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9993]
2[Option ID=9994]
3[Option ID=9995]
4[Option ID=9996]

Sl. No.100
QBID:133100

ख'ल्ल दित्ते दे पैह्रे गी पढ़ियै उसदे अग्गें दित्ते दे सुआलें दे स्हेई जवाब आह्ले विकल्प गी चुनोः

कोई बी कवि अपनियें अनुभूतियें गी जरूरत मताबक यथार्थ ते कल्पना दे स्हारै प्रभावपूर्ण ढंगै कन्नै व्यक्त करना चांह्दा ऐ ते ओह्दा एह् ढंग गै बक्ख-बक्ख अलंकारें दा रुप धारी लैंदा ऐ। जि'यां जेकर कवि आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जिन्ना चन्न' तां उपमा अलंकार होई जाह्ग। जेकर आखदा ऐ 'ओह्दा मूंह् इन्ना शैल ऐ जि'यां अश्कै चन्न होऐ' तां उत्प्रेक्षा अलंकार बनी जाह्ग। आखने दा मतलब एह् ऐ जे अलंकार अभिव्यक्ति दी इक नेही शैली ऐ जेह्ड़ी कथन गी सुंदर ते प्रभावपूर्ण बनांदी ऐ। भाव गी स्पश्ट करने आस्तै बी अलंकार बड़ी म्हत्तवपूर्ण भूमिका नभांदे न।
अलंकारवादियें चा सभनें थमां पैह्लें रुद्रट ने अलंकारें दा वर्गीकरण कीता। जेह्ड़ा इस चाल्ली ऐ- शब्दालंकार ते अर्थालंकार। शब्दालंकारें च कथन दा चमत्कार ओह्दे च प्रयुक्त शब्दें ते ध्वनियें पर निर्भर करदा ऐ। जेकर उस कथन चा उस शब्द गी हटाइयै ओह्दे थाह्र कोई होर पर्यायवाची शब्द रक्खी दित्ता जा तां चमत्कार खतम होई जाह्ग। एह्दे प्रमुख अलंकार अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, श्लेष, वक्रोक्ति बगैरा न। अनुप्रास दे बी अग्गें पंज भेद न।
कुसै चीजै गी उत्कृश्ट दस्सने आस्तै कवि जिसलै ओह्दी तुलना कुसै लोक प्रसिद्ध चीजै कन्नै करदा ऐ, उत्थै उपमा अलंकार होंदा ऐ। उपमा दे चार अंग होंदे न- 1. उपमेय 2. उपमान 3. वाचक ते 4. सधारण धर्म। अंगें दी द्रिश्टी कन्नै उपमा दे दो भेद होई जंदे न- 1. पूर्णोपमा ते 2. लुप्तोपमा। जित्थै उपमा दा कोई अंग लुप्त होऐ उत्थै लुप्तोपमा होंदी ऐ, उत्प्रेक्षा अलंकार दे बी त्रै भेद न- 1. वस्तूत्प्रेक्षा 2. हेतूत्प्रेक्षा ते 3. फलोत्प्रेक्षा ।
जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार किट्ठे उठी आए दे होन उसी उभयालंकार आखदे न। उभयालंकार बी द'ऊं चाल्लीं दे होंदे न- 1. संसृश्टि ते 2. संकर
जित्थै कु'नें द'ऊं अलंकारें दा मिश्रण तिल ते चौलें आंह्गर होऐ उत्थै संसृश्टि उभयालंकार होंदा ऐ। आखने दा मतलब ऐ जे जित्थै शब्दालंकार ते अर्थालंकार इक- दुए पर निर्भर नेईं होइयै, अपनी बक्खरी-बक्खरी सत्ता गी प्रकट करा करदे होन। जित्थै अलंकारें दा मिश्रण दुद्ध ते पानी आह्ला लेखा होऐ, उसी संकर अलंकार आखेआ जंदा ऐ।
यमक अलंकार दा उदाहरण ऐ:-

1. पास्सै मारै, होकै सुट्टै, पल भर करै निं राम
2. कल औंदे, कल गै जंदे, कल्ले कल फ्ही औन
3. चन्ना तूं ऐं चन्नै आंह्गर, भामें मन्न भामें नेईं मन्न
4. तेरे मुखड़े दी गै मोइयै, बरोसरी जन करदा ऐ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=9997]
2[Option ID=9998]
3[Option ID=9999]
4[Option ID=10000]

Sl. No.101
QBID:5201001

The following table shows (i) the percentage (%) distribution of number of Maruti Cars sold in six cities A-F and (ii) the proportion of three models P, Q and R among those cars sold. Total number of Maruti Cars sold in these cities is 90,000. Based on the data in the table, answer the question :

City-wise Distribution of Sold Cars

City	% Distribution of Sold Cars	Proportion of Car Models Sold		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

निम्न तालिका में छह शहरों A-F में मारुति कारों की संख्या का (i) प्रतिशत (%) वितरण और (ii) इन बेची गई कारों में तीन माडल P, Q और R का अनुपात दर्शाया गया है । इन शहरों में बेची गई कारों की कुल संख्या 90,000 है । तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

शहर	बेची गई कारों का वितरण (%)	बेचे गए मॉडलों का अनुपात		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

What is the number of Model-Q cars sold in all cities together?

1. 31255
2. 31355
3. 31455
4. 31555

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सभी शहरों में कुल मिलाकर मॉडल Q की बेची गई कारों की संख्या क्या है ?

1. 31255
2. 31355
3. 31455
4. 31555

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13201]
2[Option ID=13202]
3[Option ID=13203]
4[Option ID=13204]

Sl. No.102
QBID:5201002

The following table shows (i) the percentage (%) distribution of number of Maruti Cars sold in six cities A-F and (ii) the proportion of three models P, Q and R among those cars sold. Total number of Maruti Cars sold in these cities is 90,000. Based on the data in the table, answer the question :

City-wise Distribution of Sold Cars

City	% Distribution of Sold Cars	Proportion of Car Models Sold		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

निम्न तालिका में छह शहरों A-F में मारुति कारों की संख्या का (i) प्रतिशत (%) वितरण और (ii) इन बेची गई कारों में तीन माडल P, Q और R का अनुपात दर्शाया गया है । इन शहरों में बेची गई कारों की कुल संख्या 90,000 है । तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

शहर	बेची गई कारों का वितरण (%)	बेचे गए मॉडलों का अनुपात		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

What is the difference between Model-P cars sold in city-D and city E ?

1. 2184
2. 2204
3. 2294
4. 2244

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शहर D और शहर E बिकी मॉडल P कारों के बीच का अंतर क्या है ?

1. 2184
2. 2204
3. 2294
4. 2244

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13205]
2[Option ID=13206]
3[Option ID=13207]
4[Option ID=13208]

Sl. No.103
QBID:5201003

The following table shows (i) the percentage (%) distribution of number of Maruti Cars sold in six cities A-F and (ii) the proportion of three models P, Q and R among those cars sold. Total number of Maruti Cars sold in these cities is 90,000. Based on the data in the table, answer the question :

City-wise Distribution of Sold Cars

City	% Distribution of Sold Cars	Proportion of Car Models Sold		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

निम्न तालिका में छह शहरों A-F में मारुति कारों की संख्या का (i) प्रतिशत (%) वितरण और (ii) इन बेची गई कारों में तीन माडल P, Q और R का अनुपात दर्शाया गया है । इन शहरों में बेची गई कारों की कुल संख्या 90,000 है । तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

शहर	बेची गई कारों का वितरण (%)	बेचे गए मॉडलों का अनुपात		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

The number of Model-P cars sold in City D is approximately _____ % of the number of Model-R cars sold in City A

1. 145
2. 185
3. 83
4. 235

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शहर D में बिकी मॉडल P कारों की संख्या शहर A में बिकी मॉडल R कारों की संख्या का लगभग कितने प्रतिशत (%) है ?

1. 145
2. 185
3. 83
4. 235

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13209]
2[Option ID=13210]
3[Option ID=13211]
4[Option ID=13212]

Sl. No.104
QBID:5201004

The following table shows (i) the percentage (%) distribution of number of Maruti Cars sold in six cities A-F and (ii) the proportion of three models P, Q and R among those cars sold. Total number of Maruti Cars sold in these cities is 90,000. Based on the data in the table, answer the question :

City-wise Distribution of Sold Cars

City	% Distribution of Sold Cars	Proportion of Car Models Sold		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

निम्न तालिका में छह शहरों A-F में मारुति कारों की संख्या का (i) प्रतिशत (%) वितरण और (ii) इन बेची गई कारों में तीन माडल P, Q और R का अनुपात दर्शाया गया है । इन शहरों में बेची गई कारों की कुल संख्या 90,000 है । तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

शहर	बेची गई कारों का वितरण (%)	बेचे गए मॉडलों का अनुपात		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

Number of cars sold in City F is approximately _____% more than the number of cars sold in City B

1. 13
2. 34
3. 21
4. 27.5

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शहर F में बिकी कारों की संख्या शहर B में बेची गई कारों की संख्या से लगभग कितने प्रतिशत (%) अधिक है ?

1. 13
2. 34
3. 21
4. 27.5

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13213]
2[Option ID=13214]
3[Option ID=13215]
4[Option ID=13216]

Sl. No.105
QBID:5201005

The following table shows (i) the percentage (%) distribution of number of Maruti Cars sold in six cities A-F and (ii) the proportion of three models P, Q and R among those cars sold. Total number of Maruti Cars sold in these cities is 90,000. Based on the data in the table, answer the question :

City-wise Distribution of Sold Cars

City	% Distribution of Sold Cars	Proportion of Car Models Sold		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

निम्न तालिका में छह शहरों A-F में मारुति कारों की संख्या का (i) प्रतिशत (%) वितरण और (ii) इन बेची गई कारों में तीन माडल P, Q और R का अनुपात दर्शाया गया है । इन शहरों में बेची गई कारों की कुल संख्या 90,000 है । तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

शहर	बेची गई कारों का वितरण (%)	बेचे गए मॉडलों का अनुपात		
		P	Q	R
A	14.30%	7	7	4
B	16.20%	2	5	2
C	18.40%	3	3	4
D	16.80%	4	3	2
E	12.60%	2	2	1
F	21.70%	3	2	5

What is the ratio of the number of cars sold in City C to the number of Model-Q cars sold in City D?

1. 19:5
2. 27:8
3. 23:7
4. 33:10

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शहर C में बेची गई कारों की संख्या और शहर D में मॉडल Q की बिकी कारों की संख्या के बीच का अनुपात क्या है ?

1. 19:5
2. 27:8
3. 23:7
4. 33:10

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13217]
2[Option ID=13218]
3[Option ID=13219]
4[Option ID=13220]

Sl. No.106
QBID:5201006

Which of the following techniques is recommended for approaching and disciplining a student who may be prone to explosive behaviour?

1. Move swiftly and get as close to the misbehaving student as possible.
2. Ensure that there are several witnesses to the confrontation.
3. Be respectful, brief but assertive.
4. Use a loud voice to establish power.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

विस्फोटी व्यवहार के प्रवृत्त विद्यार्थी के समीप जाने और उसे अनुशासित करने के लिए निम्न में से किस प्रविधि की अनुशंसा की जाती है ?

1. तत्काल अभद्र व्यवहार करने वाले विद्यार्थी के यथा संभव निकट हो जाएं ।
2. यह सुनिश्चित करें कि सामना होने के समय अनेक साक्षी हों ।
3. सम्मानपूर्वक, संक्षेप में परन्तु दृढतापूर्वक बात करें ।
4. शक्ति स्थापित करने के लिए ऊंची आवाज का प्रयोग करें ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13221]
2[Option ID=13222]
3[Option ID=13223]
4[Option ID=13224]

Sl. No.107
QBID:5201007

Ishita had been practicing her multiplication tables for weeks before her yearly test. She knew all her facts completely. This type of knowledge that Ishita now has attained does not require attention and concentration. This process is known as which one of the following ?

1. Flashbulb memory
2. Schema
3. Automaticity
4. Procedural memory

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

इशिता अपनी वार्षिक परीक्षा से पहले हफ्तों से पहाड़ो का अभ्यास कर रही थी । वह सारे तथ्यों को पूरी तरह से जानती थी । इशिता ने अब जिस प्रकार का ज्ञान प्राप्त किया है उसमें ध्यान देने और केन्द्रित करने की आवश्यकता नहीं होती हैं । इस प्रक्रिया को निम्न में से किस रूप में जाना जाता है ?

1. कौंध-बल्ब स्मृति
2. स्कीमा
3. स्वचलीकरण
4. प्रक्रियात्मक स्मृति

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13225]
2[Option ID=13226]
3[Option ID=13227]
4[Option ID=13228]

Sl. No.108
QBID:5201008

Match List I with List II :

LIST I (MOOCs Four Quadrant approach)		LIST II (Component)	
A.	Quadrant - I	I.	e-content
B.	Quadrant - II	II.	Self-assessment
C.	Quadrant - III	III.	e-tutorial
D.	Quadrant - IV	IV.	Web Resources

Choose the correct answer from the options given below :

1. A-III, B-IV, C-I, D-II
2. A-IV, B-I, C-III, D-II
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-IV, B-II, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (मूक्स के चार पाद अभिगम)		सूची II (घटक)	
A.	पाद I	I.	ई-अंतर्वस्तु
B.	पाद II	II.	स्व-मूल्यांकन
C.	पाद III	III.	ई-ट्यूटोरियल
D.	पाद IV	IV.	वेब संसाधन

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-III, B-IV, C-I, D-II
2. A-IV, B-I, C-III, D-II
3. A-III, B-I, C-IV, D-II
4. A-IV, B-II, C-III, D-I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13229]
2[Option ID=13230]
3[Option ID=13231]
4[Option ID=13232]

Sl. No.109
QBID:5201009

Match List I with List II

LIST I (Behavioural Models)		LIST II (Developers / Redevelopers)	
A.	Mastery learning	I.	Carl Smith/Mary Smith
B.	Simulation	II.	Benjamin Bloom/James Black
C.	Social learning	III.	B.F. Skinner
D.	Programmed schedule (task performance reinforcement)	IV.	Albert Bandura/Carl Thoresen/Wes Becker

Choose the correct answer from the options given below:

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-IV, B-I, C-III, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सूची I का सूची II से मिलान कीजिए

सूची I (व्यवहारात्मक मॉडल्स)		सूची II (विकासकर्ता/पुनर्विकासकर्ता)	
A.	प्रवीणता अधिगम	I.	कार्ल स्मिथ/मेरी स्मिथ
B.	अनुरूपण	II.	बेंजामिन ब्लूम/जेम्स ब्लाक
C.	सामाजिक अधिगम	III.	बी. एफ. स्किनर
D.	नियत कार्यक्रम अनुसूची (कार्य निष्पादन पुनर्दॉढ़ीकरण)	IV.	अल्बर्ट बंदूरा/कार्ल थोरेसेन/वेस बेकर

निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A-IV, B-I, C-II, D-III
2. A-II, B-I, C-IV, D-III
3. A-II, B-IV, C-I, D-III
4. A-IV, B-I, C-III, D-II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13233]
2[Option ID=13234]
3[Option ID=13235]
4[Option ID=13236]

Sl. No.110
QBID:5201010

Given below are two statements :

Statement I : Sensory memory is that memory which helps an individual to recall something immediately after having perceived it.

Statement II : Semantic memory is that memory which helps in storing as well as retrieving a collection of relationships between events or association of ideas.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए है:

कथन I : संवेदी स्मृति वह स्मृति है जो किसी व्यक्ति को कोई चीज देखते ही तत्काल उसका पुनः स्मरण करने में सहायता करती है ।

कथन II : अर्थ की स्मृति वह स्मृति हैं जो परिघटनाओं अथवा विचारों के समूह के बीच के संबंधों के संग्रह के भंडारण व पुनःप्राप्ति में सहायता करती है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13237]
2[Option ID=13238]
3[Option ID=13239]
4[Option ID=13240]

Sl. No.111
QBID:5201011

Given below are two statements :

Statement I : If we accept a hypothesis when it should be rejected, we say type I error has been made.

Statement II : If we reject a hypothesis when it should be accepted, we say type II error has been made.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए है:

कथन I : यदि हम एक ऐसी प्राक्कल्पना को स्वीकार करते हैं जिसे अस्वीकृत किया जाना चाहिए तब हम यह मान सकते हैं कि इसमें टाइप I त्रुटि की गयी है ।

कथन II : यदि हम एक ऐसी प्राक्कल्पना को अस्वीकार करते है जबकि इसे स्वीकार किया जाना चाहिए, तब हम यह मान सकते हैं कि इसमें टाइप II त्रुटि की गयी है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13241]
2[Option ID=13242]
3[Option ID=13243]
4[Option ID=13244]

Sl. No.112
QBID:5201012

Which of the following softwares are used for checking plagiarism?

A. Turnitin
B. e-view
C. Scopus
D. Urkund
E. Quetext

Choose the most appropriate answer from the options given below :

1. A, B and D only
2. B, C and E only
3. A, D and E only
4. C, D and E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

साहित्यिक चोरी की जांच करने के लिए निम्न में से किन-किन साफ्टवेयरों का प्रयोग किया जाता है ?

A. टर्निटिन
B. ई-व्यू
C. स्कोपस
D. उरकुंड
E. क्वेटेक्स्ट

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और D
2. केवल B, C और E
3. केवल A, D और E
4. केवल C, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13245]
2[Option ID=13246]
3[Option ID=13247]
4[Option ID=13248]

Sl. No.113
QBID:5201013

Which of the following methods are used to measure reliability in research?

A. Chain-referral sampling
B. Test-retest
C. Split-half
D. Inter-rater
E. Judgemental test

Choose the correct answer from the options given below :

1. A, B and C only
2. A, D and C only
3. B, C and D only
4. C, D and E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शोध में विश्वसनीयता को मापने के लिए निम्न में से किन विधियों का प्रयोग किया जाता है ?

A. श्रृंखला संदर्भित प्रतिचयन
B. जांच-पुनः जांच
C. विभक्तार्द्ध
D. अंतःनिर्धारक (इंटररेटर)
E. मूल्य निर्णय जांच

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C
2. केवल A, D, C
3. केवल B, C, D
4. केवल C, D, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13249]
2[Option ID=13250]
3[Option ID=13251]
4[Option ID=13252]

Sl. No.114
QBID:5201014

Given below are two statements :

Statement I : t-tests are appropriate only when the dependent variables being measured are continuous.

Statement II : Chi-square statistic allows us to test hypotheses using both continuous and ordinal data.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैः

कथन I : t-टेस्ट केवल तभी उपयुक्त होते हैं जब मापित आश्रित चर सतत हों ।

कथन I I : काई स्कवायर सांख्यिकी हमें सतत और क्रमसूचक आंकड़ों दोनों का प्रयोग कर प्राक्कल्पना की जांच करने देती है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13253]
2[Option ID=13254]
3[Option ID=13255]
4[Option ID=13256]

Sl. No.115
QBID:5201015

Given below are two statements :

Statement I : UGC-CARE list includes all the scopus, web of science, and MLA indexed journals.

Statement II : Open Access Journals are predatory journals.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैः

कथन I : यूजीसी-सीएआरई सूची में सभी स्कोपस, वेब ऑफ सांईस और एमएलए सूचीबद्ध जर्नल शामिल होते हैं ।

कथन I I : मुक्त अभिगम जर्नल लुटेरे जर्नल होते हैं ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं ।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं ।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13257]
2[Option ID=13258]
3[Option ID=13259]
4[Option ID=13260]

Sl. No.116
QBID:5201016

The people's preconceptions and frames of reference, and spreading one's own limited attitudes towards issues and images result in:

1. Stable identity
2. Social harmony
3. Positive public opinion
4. Stereotypes

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

लोगों की पूर्वधारणाओं, संदर्भ के दायरों और मुद्दों व छवियों के प्रति उनके अपनी सीमित अभिवृत्तियों के प्रसार का निम्नलिखित में से क्या परिणाम होता है ?

1. स्थिर पहचान
2. सामाजिक सौहार्द
3. सकारात्मक जनमत
4. रुढ़िबद्धतायें (स्टीरियोटाइप्स)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13261]
2[Option ID=13262]
3[Option ID=13263]
4[Option ID=13264]

Sl. No.117
QBID:5201017

In mass communication the audience is:

1. Identifiable
2. Relatively small
3. Heterogeneous
4. Homogeneous

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

जन संचार में श्रोता निम्नलिखित में से क्या होते हैं ?

1. अभिज्ञेय
2. अपेक्षाकृत कम संख्या में
3. विषमरुपी
4. समरुपी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13265]
2[Option ID=13266]
3[Option ID=13267]
4[Option ID=13268]

Sl. No.118
QBID:5201018

The meanings of visual images depend much on:

A. Individual perception
B. Social perception
C. Political links
D. Economic benefits
E. Representational Connections.

Choose the correct answer from the options given below:

1. A, B and C only
2. B, C and D only
3. C, D and E only
4. A, B and E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

चाक्षुष बिंबों के अर्थ निम्न में से किन पर काफी निर्भर करते हैं ?

A. वैयक्तिक बोध
B. सामाजिक बोध
C. राजनीतिक संपर्क (लिंक)
D. आर्थिक प्रसुविधाएं
E. प्रातिनिधिक संबंध

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B, C
2. केवल B, C, D
3. केवल C, D, E
4. केवल A, B, E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13269]
2[Option ID=13270]
3[Option ID=13271]
4[Option ID=13272]

Sl. No.119
QBID:5201019

Given below are two statements :

Statement I : The right to communicate can prompt the emergence of negative liberty though its positive impact cannot be overlooked.

Statement II : The hidden impact of free market place has diluted the concept of free speech to suit the corporate ends.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए है:

कथन I : संप्रेषण का अधिकार नकारात्मक स्वतंत्रता के उदय को प्रेरित कर सकता है यद्यपि इसके सकारात्मक प्रभाव को अनदेखा नहीं किया जा सकता है ।

कथन I I : मुक्त बाजार स्थल के प्रछन्न प्रभाव ने कारपोरेट लक्ष्यों के अनुरूप वाक् स्वातंत्र्य की अवधारणा को हलका कर दिया है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं ।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है ।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13273]
2[Option ID=13274]

3[Option ID=13275]
4[Option ID=13276]

Sl. No.120
QBID:5201020

Given below are two statements :

Statement I : The capacity of words need not have any connection with truth.

Statement II : There is a human tendency to conceal facts and suppress the truth while communicating.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:

अभिकथन A : शब्दों की क्षमता का सत्य के साथ कोई संबंध होना आवश्यक नहीं है ।

कारण R : संप्रेषण करते समय तथ्यों को छिपाना और सत्य को दबाना मानवीय प्रवृत्ति है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है ।
2. A और R दोनों सही हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है ।
3. A सही है लेकिन R सही नहीं है ।
4. A सही नहीं है लेकिन R सही है ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13277]
2[Option ID=13278]
3[Option ID=13279]
4[Option ID=13280]

Sl. No.121
QBID:5201021

Find out the third common term between the two given Arithmetic Progression (AP) series given as :

3, 7, 11, 15, _____ and 1, 6, 11, 16, _____

1. 31
2. 43
3. 51
4. 47

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नांकित के रूप में दो दी गयी समान्तर श्रेणी (एवी) के मध्य तीसरे सामान्य पद को ज्ञात कीजिए
3, 7, 11, 15 ....
और
1, 6, 11, 16 .....

1. 31
2. 43
3. 51
4. 47

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13281]

2[Option ID=13282]
3[Option ID=13283]
4[Option ID=13284]

Sl. No.122
QBID:5201022

A person can do a piece of work in 18 days. After working for 12 days, the person leaves and another person joins and completes the remaining work in 8 days. In how many days this 2nd person can complete the whole job?

1. 20
2. 24
3. 22
4. 18

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक व्यक्ति एक कार्य को 18 दिनों में कर सकता है । 12 दिनों तक कार्य करने के पश्चात वह व्यक्ति कार्य को छोड़ देता है और दूसरा व्यक्ति कार्य को करना प्रारंभ करता है तथा शेष कार्य को 8 दिनों में पूरा कर लेता है । यह दूसरा व्यक्ति इस पूरे काम को कितने दिनों में पूरा कर सकता है ?

1. 20
2. 24
3. 22
4. 18

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13285]
2[Option ID=13286]
3[Option ID=13287]
4[Option ID=13288]

Sl. No.123
QBID:5201023

The average salary of 25 workers in an office is Rs. 6,000 per month. If the salary of the manager is added, the average becomes Rs. 6,200. What is the annual salary of the manager?

1. 73,200
2. 1,34,400
3. 1,58,600
4. 1,03,200

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

किसी कार्यालय में कार्यरत 25 श्रमिकों का औसत वेतन 6000 रुपये प्रतिमाह है । यदि इसमें प्रबंधक का वेतन भी जोड़ दिया जाता है तो यह औसत 6200 रुपये हो जाता है । प्रबंधक का वार्षिक वेतन कितना है ?

1. 73,200
2. 1,34,400
3. 1,58,600
4. 1,03,200

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13289]
2[Option ID=13290]
3[Option ID=13291]
4[Option ID=13292]

Sl. No.124
QBID:5201024

In what time a sum of money will double itself at the rate of 8% per annum simple interest?

1. 10.5 years
2. 12.5 years
3. 9.5 years
4. 11.5 years

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

कोई धन राशि 8% प्रतिवर्ष साधारण ब्याज की दर से कितने समय में दुगुनी हो जाएगी ?

1. 10.5 वर्ष
2. 12.5 वर्ष
3. 9.5 वर्ष
4. 11.5 वर्ष

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13293]
2[Option ID=13294]
3[Option ID=13295]
4[Option ID=13296]

Sl. No.125
QBID:5201025

A shopkeeper sold two articles at Rs. 12,000 each. He sold one article at a profit of 20% and the other one at a loss of 20%. What is the net gain or loss to the shop keeper?

1. A loss of Rs. 1000
2. A gain of Rs. 1000
3. A loss of Rs. 3,000
4. A loss of Rs. 1,500

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

किसी दुकानदारने दो वस्तुओं में से प्रत्येक को 12,000 रुपए में बेचा । उसने एक वस्तु को 20% के लाभ पर बेचा एवं दूसरी वस्तु को 20% की हानि पर बेचा । दुकानदार को कुल लाभ या हानि कितनी है ?

1. 1000 रुपए की हानि
2. 1000 रुपए का लाभ
3. 3000 रुपए की हानि
4. 1500 रुपए की हानि

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13297]
2[Option ID=13298]
3[Option ID=13299]
4[Option ID=13300]

Sl. No.126
QBID:5201026

Which informal fallacy is committed in the following argument - "Scientists have been trying for centuries to disprove the claims of astrology, and none of them has ever succeeded. Therefore, we must conclude that astrology's claims are true" ?

1. Slippery slope
2. Hasty Generalization
3. Aurgumentum ad Ignorantian (appeal to ignorance)
4. False Cause

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित युक्ति में कौन सा अनाकारिक तर्क-दोष है - 'सदियों से वैज्ञानिक ज्योतिष के दावों को खंडित करने का प्रयत्न करते रहे हैं, और उनमें से कोई भी कभी सफल नहीं हुआ है । अतः हमें निष्कर्ष निकालना चाहिए कि ज्योतिष के दावे सत्य हैं'?

1. फिसलनयुक्त ढलान (स्लिपरी स्लोप)
2. अविचारी सामान्यीकरण
3. पराज्ञानमूलक युक्ति (अज्ञान का आग्रह)
4. मिथ्याकारण

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13301]
2[Option ID=13302]
3[Option ID=13303]
4[Option ID=13304]

Sl. No.127
QBID:5201027

Which of the following propositions can be directly inferred from the statement - "All mammals are four-legged animals?

1. All animals are four-legged mammals.
2. No four-legged mammals are animals.
3. Some mammals are four-legged animals.
4. All four legged animals are mammals.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित प्रतिज्ञाप्तियों में से किसको इस कथन से प्रत्यक्षतः अनुमानित किया जा सकता है - 'सभी स्तनधारी चौपाया पशु हैं'?

1. सभी पशु चौपाया स्तनधारी हैं ।
2. कोई भी चौपाया स्तनधारी पशु नहीं है ।
3. कुछ स्तनधारी चौपाया पशु हैं ।
4. सभी चौपाया पशु स्तनधारी हैं ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13305]
2[Option ID=13306]
3[Option ID=13307]
4[Option ID=13308]

Sl. No.128
QBID:5201028

Which of the following statements is contrapositive to the following statement - "Some dogs are not aggressive animals"?

1. Some aggressive animals are not dogs.
2. Some dogs are aggressive animals.
3. Some non-dogs are aggressive animals.
4. Some non-aggressive animals are not non-dogs.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित कथनों में से कौन सा निम्नलिखित कथन के प्रतिपरिवर्तित है - 'कुछ कुत्ते आक्रामक पशु नहीं हैं' ?

1. कुछ आक्रामक पशु कुत्ते नहीं हैं ।
2. कुछ कुत्ते आक्रामक पशु हैं ।
3. कुछ गैर-कुत्ते आक्रामक पशु हैं ।
4. कुछ गैर-आक्रामक पशु गैर-कुत्ते नहीं हैं ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13309]
2[Option ID=13310]
3[Option ID=13311]
4[Option ID=13312]

Sl. No.129
QBID:5201029

Which of the following statements are contradictory to each other?

A. All objects are perishable.
B. Some objects are not perishable.
C. Some objects are perishable.
D. No objects are perishable.

Choose the most appropriate answer from the options given below:

1. A and D only
2. B and D only
3. C and D only
4. A and C only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन से कथन परस्पर व्याघाती हैं ?

A. सभी वस्तुएँ नश्वर हैं ।
B. कुछ वस्तुएँ नश्वर नहीं है ।
C. कुछ वस्तुएँ नश्वर हैं ।
D. कोई भी वस्तु नश्वर नहीं है ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और D
2. केवल B और D
3. केवल C और D
4. केवल A और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13313]
2[Option ID=13314]
3[Option ID=13315]
4[Option ID=13316]

Sl. No.130
QBID:5201030

To find my way about in a village I ask a resident for guidance. Which of the following instruments of knowledge is used according to classical Indian school of Logic (Nyaya)

1. Perception (Pratyaksa)
2. Similarity (Upmana)
3. Inference (Anumana)
4. Verbal Testimony (sabda)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक ग्राम में अपने मार्ग की तलाश के लिए मैंने मार्गदर्शन हेतु एक ग्रामवासी से मार्ग पूछा । शास्त्रीय भारतीय न्याय मत के अनुसार निम्नलिखित में से ज्ञान के किस साधन का प्रयोग किया गया है ?

1. प्रत्यक्ष
2. उपमान
3. अनुमान
4. शब्द

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13317]
2[Option ID=13318]
3[Option ID=13319]
4[Option ID=13320]

Sl. No.131
QBID:5201031

Which of the following applications A-C are built on top of open-source digital platforms?

A. Google Earth
B. DIKSHA
C. MySQL

Choose the correct answer from the options given below.

1. A and B only
2. A and C only
3. B and C only
4. A, B and C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

A-C तक दिये गये निम्नलिखित अनुप्रयोगों (अप्लीकेशनों) में से कौन मुक्त-स्रोत डिजिटल प्लेटफार्म के शीर्ष पर निर्मित होते हैं ?

A. गूगल अर्थ (Google Earth)
B. दीक्षा (DIKSHA)
C. माई एसक्यूएल (MySQL)

नीचे दिए गए विकल्पों में से <u>सही उत्तर</u> का चयन कीजिए:

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल B और C
4. A, B और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13321]
2[Option ID=13322]
3[Option ID=13323]
4[Option ID=13324]

Sl. No.132
QBID:5201032

Which of the following statements (A-C) are correct with reference to Web 3.0?

A. Web 3.0 technology (theoretically) puts user data and web content into user's hands.
B. Centralization is a core tenet of Web 3.0
C. In Web 3.0 world, block-chain based networks, transactions and businesses will thrive in the coming years.

Choose the correct answer from the options given below :

1. A and B only
2. A and C only
3. B and C only
4. A, B and C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

वेब 3.0 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों (A-C) में से कौन से सही हैं ?

A. वेब 3.0 प्रौद्योगिकी (सिद्धांततः) प्रयोक्ता डाटा एवं वेब विषयवस्तु को प्रयोक्ता को उपलब्ध कराती हैं ।

B. केन्द्रीकरण वेब 3.0 का मूल सिद्धांत है ।

C. वेब 3.0 जगत आगामी वर्षों में ब्लॉक चेन पर आधारित नेटवर्क में संव्यवहार और व्यवसाय फलेंगे-फूलेंगे ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल B और C
4. A, B और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13325]
2[Option ID=13326]
3[Option ID=13327]
4[Option ID=13328]

Sl. No.133
QBID:5201033

Given below are two statements :

Statement I : The inventor of WWW is Bill Gates.

Statement II : IPv6 protocol defines an IP address of 128 bits.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैः

कथन I : डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू (WWW) के आविष्कारक बिल गेट्स हैं ।

कथन I I : आईपीवी6 (IPv6) प्रोटोकॉल 120 बिट के आईपी एड्रेस को परिभाषित करता है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13329]
2[Option ID=13330]
3[Option ID=13331]
4[Option ID=13332]

Sl. No.134
QBID:5201034

Consider the following Excel spreadsheet :

	A	B	C	D	E	F
1	3	5	1	2		
2	2	3	5	2		
3	4	5	7	2		

What is the value of the formula = SUMIF(B1:B3, ">" & 3, C1:C3)

1. 3
2. 5
3. 7
4. 8

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित एक्सेल स्प्रेडशीट पर विचार कीजिए :

	A	B	C	D	E	F
1	3	5	1	2		
2	2	3	5	2		
3	4	5	7	2		

सूत्र : =SUMIF(B1:B3, ">" & 3, C1:C3) का मान क्या है ?

1. 3
2. 5
3. 7
4. 8

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13333]
2[Option ID=13334]
3[Option ID=13335]
4[Option ID=13336]

Sl. No.135
QBID:5201035

Given below are two statements :

Statement I : SWAYAM is a platform developed by Ministry of Education and AICTE to bridge the digital divide among students.

Statement II : UGC is a National coordinator of SWAYAM for non-technical Post Graduation education to ensure that best quality content is produced and delivered.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए है:

कथन I : स्वयम (SWAYAM) छात्रों के मध्य डिजिटल असमानता की खाई को पाटने के लिए शिक्षा मंत्रालय और एआईसीटीई (अभातशिप) द्वारा विकसित एक प्लेटफार्म है ।

कथन I I : यूजीसी गैर-तकनीकी स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए स्वयम (SWAYAM) का राष्ट्रीय समन्वयक है जिससे सुनिश्चित हो सके कि सर्वोत्तम गुणवत्तापूर्ण विषयवस्तु का निर्माण और प्रदायगी की जाए ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है ।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13337]
2[Option ID=13338]
3[Option ID=13339]
4[Option ID=13340]

Sl. No.136
QBID:5201036

Arrange the following Earth's water compartments in increasing order of the amount of the water they hold.

A. Rivers and streams
B. Fresh lakes
C. Atmosphere
D. Ice and Snow

Choose the correct answer from the following options given below :

1. A, C, B, D
2. C, A, B, D
3. C, B, A, D
4. A, B, D, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

पृथ्वी के जल उपखण्डों को उनके द्वारा धारित जल मात्रा के बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कीजिए ।

A. नदियां और जल-धाराएं
B. ताज़ा जल की झीलें
C. वायुमंडल
D. बर्फ और हिम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. A, C, B, D
2. C, A, B, D
3. C, B, A, D
4. A, B, D, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13341]
2[Option ID=13342]
3[Option ID=13343]
4[Option ID=13344]

Sl. No.137
QBID:5201037

Given below are two statements :

Statement : I Municipal solid waste includes Garbage and Rubbish.

Statement II : Garbage consists of both combustible and non combustible materials.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैः

कथन I : नगरपालिका के ठोस अपशिष्ट में कूड़ा-करकट (गार्बेज) और काठ-कबाड़ (रबिश) सम्मिलित हैं ।

कथन I I : कूडा-करकट में ज्वलनशील और अज्वलनशील दोनों सामग्री सम्मिलित होती हैं ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिएः

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं ।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं ।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है ।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13345]
2[Option ID=13346]
3[Option ID=13347]
4[Option ID=13348]

Sl. No.138
QBID:5201038

Given below are two statements :

Statement : I In many cases, both organisms and human infrastructure will not be able to move or adapt quickly enough to changing climate.

Statement II : Infectious diseases are likely to increase as a result of global warming.

In the light of the above statements, choose the most appropriate answer from the options given below :

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए है:

कथन I : अनेक मामलों में जीव और मानव अवसंरचनाएं दोनों बदलती जलवायु के प्रति शीघ्र संचलन या अनुकूलन में सक्षम नहीं होंगे ।

कथन I I : ग्लोबल वार्मिंग (विश्वक तापन) के परिणामस्वरूप संक्रामक रोगों में वृद्धि की संभावना है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं ।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं ।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है ।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13349]
2[Option ID=13350]
3[Option ID=13351]
4[Option ID=13352]

Sl. No.139
QBID:5201039

Major contributor to carbon monoxide emissions in metropolitan areas of India is/are:

1. Industrial Sector
2. Domestic Sources
3. Transport Sector
4. Agriculture Sector

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

भारत के महानगरीय क्षेत्रों में कार्बन मोनोओक्साइड उत्सर्जन में प्रमुख योगदान किसका है ?

1. औद्योगिक क्षेत्र
2. घरेलू स्रोत
3. परिवहन क्षेत्र
4. कृषि क्षेत्र

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13353]
2[Option ID=13354]
3[Option ID=13355]
4[Option ID=13356]

Sl. No.140
QBID:5201040

Given below are two statements : One is labelled as Assertion A and the other is labelled as Reason R.

Assertion A : Although internal-combustion engines used in today's vehicles can be adapted to burn hydrogen, hydrogen powered combustion engines probably are not the future of hydrogen fuelled vehicles.

Reason R : It is more efficient to convert hydrogen energy directly to electricity using fuel cells.

In the light of the above statements, choose the correct answer from the options given below :

1. Both A and R are true and R is the correct explanation of A.
2. Both A and R are true but R is not the correct explanation of A.
3. A is true but R is false.
4. A is false but R is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं: एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रुप में:

अभिकथन A : यद्यपि आजकल के वाहनों में प्रयुक्त आन्तरिक-दहन इंजनों को हाइड्रोजन दहन के लिये अनुकूलित किया जा सकता है, हाइड्रोजन शक्ति-आधारित दहन इंजन संभवतः हाइड्रोजन ईंधन वाहनों का भविष्य नहीं है ।

कारण R : फ्यूल सेल्स का उपयोग करते हुए हाइड्रोजन ऊर्जा को सीधे विद्युत में रूपांतरण करना अधिक दक्ष है ।

उपरोक्त कथन के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए ।

1. A और R दोनों सत्य हैं और R, A की सही व्याख्या है ।
2. A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है ।
3. A सत्य है लेकिन R असत्य है ।
4. A असत्य है लेकिन R सत्य है ।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13357]
2[Option ID=13358]
3[Option ID=13359]
4[Option ID=13360]

Sl. No.141
QBID:5201041

While planning for higher education development in India in the twenty first century, the guiding principles should be :

A. Access
B. Empathy
C. Equity
D. Accountability
E. Quality

Choose the correct answer from the options given below :

1. A, B and E only
2. B, C, D and E only
3. A, C, D and E only
4. B, C, and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

इक्कीसवीं सदी में भारत में उच्च शिक्षा के विकास के नियोजन के समय मार्गदर्शी सिद्धांतों में निम्नलिखित होने चाहिए:

A. अभिगम
B. परानुभूति
C. समदृष्टि
D. उत्तरदायित्व
E. गुणवत्ता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A, B और E
2. केवल B, C, D और E
3. केवल A, C, D और E
4. केवल B, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13361]
2[Option ID=13362]
3[Option ID=13363]
4[Option ID=13364]

Sl. No.142
QBID:5201042

Which of the following ancient systems is focussed on laws of matter and force and of combination and disintegration?

1. Vaisesika
2. Nirukta
3. Chhanda
4. Grihya Sutras

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सी प्राचीन पद्धति पदार्थ और बल तथा संयोजन एवं वियोजन के नियमों पर केन्द्रित है ?

1. वैशेषिका
2. निरुक्त
3. छंद
4. गृह सूत्र

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13365]
2[Option ID=13366]
3[Option ID=13367]
4[Option ID=13368]

Sl. No.143
QBID:5201043

According to NEP 2020, what percentage of learners of schools and higher education system shall have exposure to vocational education by 2025.

1. 40% of learners
2. 50% of learners
3. 35% learners
4. 30% learners

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एनईपी 2020 के अनुसार, स्कूलों और उच्च शिक्षा पद्धति के अधिगमकर्ताओं का कितना प्रतिशत वर्ष 2025 तक व्यावसायिक शिक्षा से अभिज्ञ होगा ?

1. अधिगमकर्ताओं का 40%
2. अधिगमकर्ताओं का 50%
3. अधिगमकर्ताओं का 35%
4. अधिगमकर्ताओं का 30%

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13369]
2[Option ID=13370]
3[Option ID=13371]
4[Option ID=13372]

Sl. No.144
QBID:5201044

Which of the following are the characteristics of non-conventional learning ?

A. No fixed curriculum
B. Teacher-centred learning
C. Cost-effective
D. Require regular attendance

Choose the correct answer from the options given below:

1. A and D only
2. A and C only
3. B and C only
4. B and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से गैर-पारंपरिक अधिगम की विशेषताएँ कौन सी हैं ?

A. कोई निश्चित पाठ्यचर्या नहीं

B. शिक्षक-केन्द्रित अधिगम

C. लागत-प्रभावी

D. नियमित उपस्थिति का आवश्यक होना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए:

1. केवल A और D
2. केवल A और C
3. केवल B और C
4. केवल B और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13373]
2[Option ID=13374]
3[Option ID=13375]
4[Option ID=13376]

Sl. No.145
QBID:5201045

The Sanskrit-Sahitya parishat whose aim and objectives are to disseminate Sanskrit learning and research in different branches of indological studies and to store and maintain the ancient Indian cultural and glories of India was established in the year :

1. 1906
2. 1916
3. 1964
4. 1961

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संस्कृत-साहित्य-परिषद जिसका उद्देश्य संस्कृत अधिगम का प्रसार और भारत विद्या संबंधी अध्ययन की विभिन्न शाखाओं में अनुसंधान तथा प्राचीन भारतीय सांस्कृतिक और भारत के गौरव का संचय तथा अनुरक्षण था, उसकी स्थापना किस वर्ष हुई थी ?

1. 1906
2. 1916
3. 1964
4. 1961

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13377]
2[Option ID=13378]
3[Option ID=13379]
4[Option ID=13380]

Sl. No.146
QBID:5201046

Read the following passage and answer the question :

What is it that tutors do, or should do, in support of the online learner ? Some have sought to explore and clarify by the adoption of particular metaphors, such as moderator, mentor, or facilitator, to describe the tutor's role. These terms have their value in guiding our behaviour as online tutors, but their force is primarily to warn us to stand aside. The evidence is that too much or inappropriate, contribution to tutorial discussion by the tutor can inhibit contributions by the students. The rhetoric of facilitator and moderator speaks of a duty to liberate the students, and empower them to participate in their own learning. This has the ring of critical pedagogy about it, which would seek to remove the authority of the teacher, casting teacher and learner as equal participants in the educational endeavour. Such protestations of equality will ultimately show themselves to being disingenuous, however, when the imperative of assessment rears its ugly head. Worse, though is the fact that these formulations guide us about what we shouldn't do, but remain rather silent about what we should be doing. If the online tutor is going to move from centre stage and sacrifice some ideas of his or her sagacity, what sorts of roles might be taken up to contribute to the guidance of the online learner ? There are paradoxes here.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और प्रश्न का उत्तर दीजिये।

ओनलाइन शिक्षार्थी की सहायता करने के लिए ट्यूटर क्या करते हैं अथवा उन्हें क्या करना चाहिए ? कुछ लोगों ने ट्यूटर की भूमिका का वर्णन करने के लिए परिनियामक, ज्ञानगुरु (मेंटोर) अथवा सुगमकर्ता जैसे रूपक विशेष अपना कर इसकी छानबीन और इसे स्पष्ट करने के प्रयास किए हैं । ओनलाईन ट्यूटर के रुप में हमारे व्यवहार के मार्गदर्शन में इन पदों का अपना मूल्य है परन्तु प्राथमिक रुप में इनका बल हमें एक तरफ खड़े होने की चेतावनी देता है । इस संबंध में साक्ष्य हैं कि ट्यूटर द्वारा शिक्षकीय (ट्यूटोरियल) चर्चा में अत्यधिक अथवा अनुपयुक्त योगदान छात्रों के योगदान को बाधित कर सकता है । सुगमकर्ता और परिनियामक का शब्दाडंबर छात्रों को मुक्त करने के कर्तव्य और उन्हें उनके अपने अधिगम में भाग लेने के लिए सशक्त करने की बात करता है । इससे विवेचनात्मक शिक्षा शास्त्र की ध्वनि आती है जो शिक्षक के प्राधिकार को हटाकर शैक्षिक प्रयास में शिक्षक और शिक्षार्थी को समान प्रतिभागी बनाने की बात करता है । तथापि समानता के ये प्रकथन स्वयं को कपटी प्रदर्शित करेंगे जब मूल्यांकन की अनिवार्यताएं अपना कुरुप सिर उठाएंगी । हालांकि इससे भी बुरी बात यह है कि ये सूत्र हमारा यह मार्गदर्शन तो करते हैं कि हमें क्या नहीं करना चाहिए परन्तु इस संबंध में मौन हैं कि हमें क्या करना चाहिए । यदि ओनलाईन ट्यूटर केन्द्रीय मंच से हट जाए और अपनी विवेकशीलता के कुछ विचारों का त्याग कर दे तो ओनलाईन शिक्षार्थी के मार्गदर्शन में योगदान के लिये कौन सी भूमिका अपनायी जा सकती है ? यहां कुछ विरोधाभास हैं ।

What has been done to describe the role of online tutors?

1. Add value to their guidance
2. Provide them with a warning system
3. Clarify their duties in fields other than education
4. By adoption of certain metaphors

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

ओनलाइन ट्यूटरों की भूमिका के वर्णन के लिए क्या किया गया है ?

1. उनके मार्गदर्शन में मूल्यवर्धन किया जाए ।
2. उन्हें चेतावनी प्रणाली प्रदान करना
3. शिक्षा से इतर क्षेत्रों में उनके कर्तव्यों को स्पष्ट करना
4. कतिपय रूपकों को अपनाकर

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13381]
2[Option ID=13382]
3[Option ID=13383]
4[Option ID=13384]

Sl. No.147
QBID:5201047

Read the following passage and answer the question :

What is it that tutors do, or should do, in support of the online learner ? Some have sought to explore and clarify by the adoption of particular metaphors, such as moderator, mentor, or facilitator, to describe the tutor's role. These terms have their value in guiding our behaviour as online tutors, but their force is primarily to warn us to stand aside. The evidence is that too much or inappropriate, contribution to tutorial discussion by the tutor can inhibit contributions by the students. The rhetoric of facilitator and moderator speaks of a duty to liberate the students, and empower them to participate in their own learning. This has the ring of critical pedagogy about it, which would seek to remove the authority of the teacher, casting teacher and learner as equal participants in the educational endeavour. Such protestations of equality will ultimately show themselves to being disingenuous, however, when the imperative of assessment rears its ugly head. Worse, though is the fact that these formulations guide us about what we shouldn't do, but remain rather silent about what we should be doing. If the online tutor is going to move from centre stage and sacrifice some ideas of his or her sagacity, what sorts of roles might be taken up to contribute to the guidance of the online learner ? There are paradoxes here.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और प्रश्न का उत्तर दीजिये।

ओनलाइन शिक्षार्थी की सहायता करने के लिए ट्यूटर क्या करते हैं अथवा उन्हें क्या करना चाहिए ? कुछ लोगों ने ट्यूटर की भूमिका का वर्णन करने के लिए परिनियामक, ज्ञानगुरु (मेंटोर) अथवा सुगमकर्ता जैसे रूपक विशेष अपना कर इसकी छानबीन और इसे स्पष्ट करने के प्रयास किए हैं । ओनलाईन ट्यूटर के रुप में हमारे व्यवहार के मार्गदर्शन में इन पदों का अपना मूल्य है परन्तु प्राथमिक रुप में इनका बल हमें एक तरफ खड़े होने की चेतावनी देता है । इस संबंध में साक्ष्य हैं कि ट्यूटर द्वारा शिक्षकीय (ट्यूटोरियल) चर्चा में अत्यधिक अथवा अनुपयुक्त योगदान छात्रों के योगदान को बाधित कर सकता है । सुगमकर्ता और परिनियामक का शब्दाडंबर छात्रों को मुक्त करने के कर्तव्य और उन्हें उनके अपने अधिगम में भाग लेने के लिए सशक्त करने की बात करता है । इससे विवेचनात्मक शिक्षा शास्त्र की ध्वनि आती है जो शिक्षक के प्राधिकार को हटाकर शैक्षिक प्रयास में शिक्षक और शिक्षार्थी को समान प्रतिभागी बनाने की बात करता है । तथापि समानता के ये प्रकथन स्वयं को कपटी प्रदर्शित करेंगे जब मूल्यांकन की अनिवार्यताएं अपना कुरुप सिर उठाएंगी । हालांकि इससे भी बुरी बात यह है कि ये सूत्र हमारा यह मार्गदर्शन तो करते हैं कि हमें क्या नहीं करना चाहिए परन्तु इस संबंध में मौन हैं कि हमें क्या करना चाहिए । यदि ओनलाईन ट्यूटर केन्द्रीय मंच से हट जाए और अपनी विवेकशीलता के कुछ विचारों का त्याग कर दे तो ओनलाईन शिक्षार्थी के मार्गदर्शन में योगदान के लिये कौन सी भूमिका अपनायी जा सकती है ? यहां कुछ विरोधाभास हैं ।

What will inhibit student's contribution to tutorial discussions?

1. Too much contribution of the tutor
2. Disruption during tutorials
3. Internal divisions
4. Outside intervention

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

शिक्षकीय चर्चा में छात्रों के योगदान को क्या बाधित करेगा ?

1. ट्यूटर का अत्यधिक योगदान
2. शिक्षकीय कार्य के दौरान व्यवधान
3. आंतरिक फूट
4. बाह्य हस्तक्षेप

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13385]
2[Option ID=13386]
3[Option ID=13387]
4[Option ID=13388]

Sl. No.148
QBID:5201048

Read the following passage and answer the question :

What is it that tutors do, or should do, in support of the online learner ? Some have sought to explore and clarify by the adoption of particular metaphors, such as moderator, mentor, or facilitator, to describe the tutor's role. These terms have their value in guiding our behaviour as online tutors, but their force is primarily to warn us to stand aside. The evidence is that too much or inappropriate, contribution to tutorial discussion by the tutor can inhibit contributions by the students. The rhetoric of facilitator and moderator speaks of a duty to liberate the students, and empower them to participate in their own learning. This has the ring of critical pedagogy about it, which would seek to remove the authority of the teacher, casting teacher and learner as equal participants in the educational endeavour. Such protestations of equality will ultimately show themselves to being disingenuous, however, when the imperative of assessment rears its ugly head. Worse, though is the fact that these formulations guide us about what we shouldn't do, but remain rather silent about what we should be doing. If the online tutor is going to move from centre stage and sacrifice some ideas of his or her sagacity, what sorts of roles might be taken up to contribute to the guidance of the online learner ? There are paradoxes here.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और प्रश्न का उत्तर दीजिये।

ओनलाइन शिक्षार्थी की सहायता करने के लिए ट्यूटर क्या करते हैं अथवा उन्हें क्या करना चाहिए ? कुछ लोगों ने ट्यूटर की भूमिका का वर्णन करने के लिए परिनियामक, ज्ञानगुरु (मेंटोर) अथवा सुगमकर्ता जैसे रूपक विशेष अपना कर इसकी छानबीन और इसे स्पष्ट करने के प्रयास किए हैं । ओनलाईन ट्यूटर के रुप में हमारे व्यवहार के मार्गदर्शन में इन पदों का अपना मूल्य है परन्तु प्राथमिक रुप में इनका बल हमें एक तरफ खड़े होने की चेतावनी देता है । इस संबंध में साक्ष्य हैं कि ट्यूटर द्वारा शिक्षकीय (ट्यूटोरियल) चर्चा में अत्यधिक अथवा अनुपयुक्त योगदान छात्रों के योगदान को बाधित कर सकता है । सुगमकर्ता और परिनियामक का शब्दाडंबर छात्रों को मुक्त करने के कर्तव्य और उन्हें उनके अपने अधिगम में भाग लेने के लिए सशक्त करने की बात करता है । इससे विवेचनात्मक शिक्षा शास्त्र की ध्वनि आती है जो शिक्षक के प्राधिकार को हटाकर शैक्षिक प्रयास में शिक्षक और शिक्षार्थी को समान प्रतिभागी बनाने की बात करता है । तथापि समानता के ये प्रकथन स्वयं को कपटी प्रदर्शित करेंगे जब मूल्यांकन की अनिवार्यताएं अपना कुरुप सिर उठाएंगी । हालांकि इससे भी बुरी बात यह है कि ये सूत्र हमारा यह मार्गदर्शन तो करते हैं कि हमें क्या नहीं करना चाहिए परन्तु इस संबंध में मौन हैं कि हमें क्या करना चाहिए । यदि ओनलाईन ट्यूटर केन्द्रीय मंच से हट जाए और अपनी विवेकशीलता के कुछ विचारों का त्याग कर दे तो ओनलाईन शिक्षार्थी के मार्गदर्शन में योगदान के लिये कौन सी भूमिका अपनायी जा सकती है ? यहां कुछ विरोधाभास हैं ।

The rhetoric of moderators has the intention to :

1. Displace teachers from teaching
2. Liberate students for their own learning
3. Strengthen the authority of teachers
4. Avoid critical pedagogy

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

परिनियामकों के शब्दाडंबर का प्रयोजन निम्न में से क्या है ?

1. शिक्षकों को शिक्षण से विस्थापित करना
2. छात्रों को उनके अपने अधिगम के लिए मुक्त करना
3. शिक्षकों के प्राधिकार को सुदृढ़ करना
4. विवेचनात्मक शिक्षाशास्त्र से दूर रहना

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13389]
2[Option ID=13390]
3[Option ID=13391]
4[Option ID=13392]

Sl. No.149
QBID:5201049

Read the following passage and answer the question :

What is it that tutors do, or should do, in support of the online learner ? Some have sought to explore and clarify by the adoption of particular metaphors, such as moderator, mentor, or facilitator, to describe the tutor's role. These terms have their value in guiding our behaviour as online tutors, but their force is primarily to warn us to stand aside. The evidence is that too much or inappropriate, contribution to tutorial discussion by the tutor can inhibit contributions by the students. The rhetoric of facilitator and moderator speaks of a duty to liberate the students, and empower them to participate in their own learning. This has the ring of critical pedagogy about it, which would seek to remove the authority of the teacher, casting teacher and learner as equal participants in the educational endeavour. Such protestations of equality will ultimately show themselves to being disingenuous, however, when the imperative of assessment rears its ugly head. Worse, though is the fact that these formulations guide us about what we shouldn't do, but remain rather silent about what we should be doing. If the online tutor is going to move from centre stage and sacrifice some ideas of his or her sagacity, what sorts of roles might be taken up to contribute to the guidance of the online learner ? There are paradoxes here.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और प्रश्न का उत्तर दीजिये।

ओनलाइन शिक्षार्थी की सहायता करने के लिए ट्यूटर क्या करते हैं अथवा उन्हें क्या करना चाहिए ? कुछ लोगों ने ट्यूटर की भूमिका का वर्णन करने के लिए परिनियामक, ज्ञानगुरु (मेंटोर) अथवा सुगमकर्ता जैसे रूपक विशेष अपना कर इसकी छानबीन और इसे स्पष्ट करने के प्रयास किए हैं । ओनलाईन ट्यूटर के रुप में हमारे व्यवहार के मार्गदर्शन में इन पदों का अपना मूल्य है परन्तु प्राथमिक रुप में इनका बल हमें एक तरफ खड़े होने की चेतावनी देता है । इस संबंध में साक्ष्य हैं कि ट्यूटर द्वारा शिक्षकीय (ट्यूटोरियल) चर्चा में अत्यधिक अथवा अनुपयुक्त योगदान छात्रों के योगदान को बाधित कर सकता है । सुगमकर्ता और परिनियामक का शब्दाडंबर छात्रों को मुक्त करने के कर्तव्य और उन्हें उनके अपने अधिगम में भाग लेने के लिए सशक्त करने की बात करता है । इससे विवेचनात्मक शिक्षा शास्त्र की ध्वनि आती है जो शिक्षक के प्राधिकार को हटाकर शैक्षिक प्रयास में शिक्षक और शिक्षार्थी को समान प्रतिभागी बनाने की बात करता है । तथापि समानता के ये प्रकथन स्वयं को कपटी प्रदर्शित करेंगे जब मूल्यांकन की अनिवार्यताएं अपना कुरुप सिर उठाएंगी । हालांकि इससे भी बुरी बात यह है कि ये सूत्र हमारा यह मार्गदर्शन तो करते हैं कि हमें क्या नहीं करना चाहिए परन्तु इस संबंध में मौन हैं कि हमें क्या करना चाहिए । यदि ओनलाईन ट्यूटर केन्द्रीय मंच से हट जाए और अपनी विवेकशीलता के कुछ विचारों का त्याग कर दे तो ओनलाईन शिक्षार्थी के मार्गदर्शन में योगदान के लिये कौन सी भूमिका अपनायी जा सकती है ? यहां कुछ विरोधाभास हैं ।

The discourse of participatory learning may result in:

1. Abandonment of the online tutorial system
2. Vigorous student protestation
3. Emergence of dos and don'ts guidelines
4. Supervisory role of students

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

प्रतिभागी अधिगम संबंधी विमर्श का निम्न में से क्या परिणाम हो सकता है ?

1. ओनलाइन शिक्षकीय व्यवस्था का परित्याग
2. सशक्त छात्र प्रतिरोध
3. क्या करें और क्या न करें संबंधी दिशानिर्देशों का उदगम
4. छात्रों की पर्यवेक्षणीय भूमिका

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13393]
2[Option ID=13394]
3[Option ID=13395]
4[Option ID=13396]

Sl. No.150
QBID:5201050

Read the following passage and answer the question :

What is it that tutors do, or should do, in support of the online learner ? Some have sought to explore and clarify by the adoption of particular metaphors, such as moderator, mentor, or facilitator, to describe the tutor's role. These terms have their value in guiding our behaviour as online tutors, but their force is primarily to warn us to stand aside. The evidence is that too much or inappropriate, contribution to tutorial discussion by the tutor can inhibit contributions by the students. The rhetoric of facilitator and moderator speaks of a duty to liberate the students, and empower them to participate in their own learning. This has the ring of critical pedagogy about it, which would seek to remove the authority of the teacher, casting teacher and learner as equal participants in the educational endeavour. Such protestations of equality will ultimately show themselves to being disingenuous, however, when the imperative of assessment rears its ugly head. Worse, though is the fact that these formulations guide us about what we shouldn't do, but remain rather silent about what we should be doing. If the online tutor is going to move from centre stage and sacrifice some ideas of his or her sagacity, what sorts of roles might be taken up to contribute to the guidance of the online learner ? There are paradoxes here.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िये और प्रश्न का उत्तर दीजिये।

ओनलाइन शिक्षार्थी की सहायता करने के लिए ट्यूटर क्या करते हैं अथवा उन्हें क्या करना चाहिए ? कुछ लोगों ने ट्यूटर की भूमिका का वर्णन करने के लिए परिनियामक, ज्ञानगुरु (मेंटोर) अथवा सुगमकर्ता जैसे रूपक विशेष अपना कर इसकी छानबीन और इसे स्पष्ट करने के प्रयास किए हैं । ओनलाईन ट्यूटर के रुप में हमारे व्यवहार के मार्गदर्शन में इन पदों का अपना मूल्य है परन्तु प्राथमिक रुप में इनका बल हमें एक तरफ खड़े होने की चेतावनी देता है । इस संबंध में साक्ष्य हैं कि ट्यूटर द्वारा शिक्षकीय (ट्यूटोरियल) चर्चा में अत्यधिक अथवा अनुपयुक्त योगदान छात्रों के योगदान को बाधित कर सकता है । सुगमकर्ता और परिनियामक का शब्दाडंबर छात्रों को मुक्त करने के कर्तव्य और उन्हें उनके अपने अधिगम में भाग लेने के लिए सशक्त करने की बात करता है । इससे विवेचनात्मक शिक्षा शास्त्र की ध्वनि आती है जो शिक्षक के प्राधिकार को हटाकर शैक्षिक प्रयास में शिक्षक और शिक्षार्थी को समान प्रतिभागी बनाने की बात करता है । तथापि समानता के ये प्रकथन स्वयं को कपटी प्रदर्शित करेंगे जब मूल्यांकन की अनिवार्यताएं अपना कुरुप सिर उठाएंगी । हालांकि इससे भी बुरी बात यह है कि ये सूत्र हमारा यह मार्गदर्शन तो करते हैं कि हमें क्या नहीं करना चाहिए परन्तु इस संबंध में मौन हैं कि हमें क्या करना चाहिए । यदि ओनलाईन ट्यूटर केन्द्रीय मंच से हट जाए और अपनी विवेकशीलता के कुछ विचारों का त्याग कर दे तो ओनलाईन शिक्षार्थी के मार्गदर्शन में योगदान के लिये कौन सी भूमिका अपनायी जा सकती है ? यहां कुछ विरोधाभास हैं ।

The passage is an analysis of:

1. The traditional educational system
2. The new assessment methodology
3. Indian vocational education
4. Paradoxes of online tutoring.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

यह गद्यांश निम्नलिखित में से किस का विश्लेषण है ?

1. पारंपरिक शैक्षणिक व्यवस्था
2. नवीन मूल्यांकन कार्य-प्रणाली
3. भारतीय व्यवसायिक शिक्षा
4. ओनलाइन शिक्षण (ट्यूटरिंग) के विरोधाभास

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=13397]
2[Option ID=13398]
3[Option ID=13399]
4[Option ID=13400]